- धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट - 12

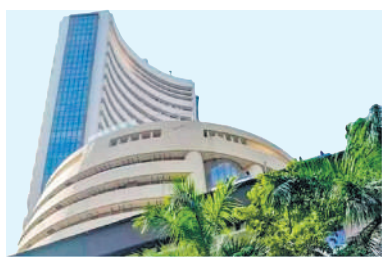

- सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद - 12

- भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता - 13

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 2, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

अजय दयाल, अयोध्या

> यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धांतों का उद्घोष करेगा। - प्रधानमंत्री मोदी

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

ध्वज रघुकुल परंपरा का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये पूर्णाहूति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव वित्त/वित्त परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

इथोपिया से उठी ज्वालामुखी की राख से दिल्ली में कुछ उड़ानें रद्द, कई लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को दिया नियमों के पालन का निर्देश

इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के गुबार के कारण मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं और 10 से ज्यादा विदेशी उड़ानें देर से रवाना हो पाईं। अकेले एअर इंडिया ने सोमवार से अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दीं।

दरअसल, इथियोपिया में हाल ही में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल उड़ानों के संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि ये बादल भारत के पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक ज्वालामुखी के राख के गुबार के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर आने और जाने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित रहीं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जहां रोज 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है।

मंगलवार को अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की ओर से स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई। हालांकि उनकी भी कई उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को विमानन कंपनियों से कहा था कि वे ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों व उड़ान स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करें।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ' 'बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

विवेचनाओं के दिए निस्तारण के निर्देश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार ने थाना रोजा का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि विवेचनाओं का समय से निस्तारण किया जाए और वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाए। एएसपी ने संचालित कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण की स्थिति एवं समग्र पुलिस व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अपराध रजिस्टर, अंदरुनी जांच रजिस्टर, जीडी का चालान, मालखाना और विवेचना रजिस्टर का अवलोकन किया। एएसपी महिला हेल्प डेस्क, बैरक, हवालात, साइबर हेल्प डेस्क, कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं स्वच्छता स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया। उन्होंने निर्दश दिए कि फारियादियों की शिकायतों का निस्तारण किया जाए।

डीएम ने बीएलओ को दिए निर्देश

शाहजहांपुर अमृत विचार : निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में शिविर लगाकर मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को भरवाने में सहायता, उन्हें प्राप्त किये जाने तथा गणना प्रपत्रों को बीएलओ ऐप पर डिजिटाइजेशन की कार्यवाही की जा रही है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण -2025 के कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्मचारियों ने उल्लेखनीय योगदान दिया गया। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने और ससमय गणना प्रपत्र मतदाताओं से प्राप्त कर समय पर डिजिटाइज्ड करने का आह्वान किया गया। डीएम ने इस संबंध में जरूरी निर्देश दिए हैं।

विहिप बजरंग दल आज ज्ञापन देगा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद में अवैध निर्माण व शासन के आदेश का उल्लंघन करते हुए मस्जिदों के लाउडस्पीकर की आवाज अत्यधिक तीव्र व अन्य विशेष विषयों को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल 26 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा जाएगा। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में वह विभिन्न मांगे करेंगे।

नई श्रम संहिता के खिलाफ किया प्रदर्शन

मेडिकल एवं सेल्स रिप्रेंजेटेटिव ने काला फीता बांधकर जताया विरोध, प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते मेडिकल एड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नई श्रम संहिता लागू होते ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं। मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ने प्रदेशीय आह्वान पर मंगलवार को काली पट्टी बांधकर कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार सुबह को सभी एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एक जुट होकर काली पट्टी बांधकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां सभी पदाधिकारियों ने नई श्रम संहिता का विरोध करते हुए सभा की। इसके बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में बताया कि केंद्र सरकार ने जिस ढंग से नई श्रम संहिताओं को लागू किया है, वह श्रमिक अधिकारों को खत्म करने वाला और पूंजीपतियों को खुली छूट देने वाला है। लागू की गई चार श्रम संहिताओं में नौकरी की सुरक्षा को खत्म करना, फिक्स टर्म रोजगार को बढ़ावा देना है। जिससे स्थायी नौकरियां खत्म होंगी। जिसमें ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जाएगा और 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी गई है। बिना स्पष्ट ओवर टाइम का नियम है। 20 से 40 मजदूर वाले कारखानों को सुरक्षा कानून से बाहर किया गया है। इससे दुर्घटना और स्वास्थ्य जोखिम बढ़ेगे। चार श्रमिक संहिताओं का निष्कर्ष है कि नौकरी की सुरक्षा घट जाएगी। सेल्स प्रमोशन एम्पलाई एक्ट पर प्रभाव से सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों पर सबसे अधिक नकारात्मक असर पड़ेगा। नियुक्ति पत्र का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। वेतन वृद्धि का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। छुट्टियों के प्रावधान खत्म किए जाने की संभावना है। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, सचिव चुन्नू लाल तिवारी, प्रदेश सह सचिव असित मिश्रा, कोषाध्यक्ष विकास तिवारी, पूर्व अध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुरारी दीक्षित, उपाध्यक्ष दलित त्रिपाठी, सचिव जितेंद्र सिंह, मोहित तिवारी, मोहम्मद आरिफ, तौहीद आलम, अविरल त्रिवेदी, अतुल शर्मा, राहुल सारस्वत, संदीप यादव, राघवेंद्र सिंह यादव, अजीत सिंह आदि दवा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रतिनिधियों ने बताए मुख्य कारण

राघवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि नया श्रम कानून कर्मचारियों के हितों की पूरी तरह से रक्षा करने में सक्षम नहीं है। इंडस्ट्रियल रिलेशन कोर्ड, 2020 के कुछ प्रावधान और वर्किंग कंडीशन कोड, 2020 के ऑक्यूपेशनल सेफ्टी जैसे प्रावधान कर्मचारियों के हित में नहीं है। इसमें सुधार के लिए दोबारा अपील और ड्राफ्टिंग भी होनी चाहिए। इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 के तहत पहले 100 से ज्यादा कर्मचारियों वाली कंपनियों को बंद करने या छंटनी के लिए सरकार से अनुमति लेनी पड़ती थी। अब 1 से 299 कर्मचारियों वाली कंपनियों पर ताला लगाने के लिए कोई अनुमति नहीं लेनी होगी। यह कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या में बदलाव करने के लिए भी पूरी तरह स्वतंत्र होंगी। इससे कर्मचारियों के भविष्य पर असर पड़ेगा।

विरोध की आजादी पर भी रोक

अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा ने बताया कि पहले जरूरी काम में लगे कर्मचारियों को 15 महीने का नोटिस देना होता था और फिर हड़ताल पर जाते थे। अब सभी तरह के कर्मचारियों के लिए नोटिस की अवधि 60 दिन कर दी गई है, जिससे विरोध करने की आजादी भी छिन गई है। उन्होंने कहा कि इस कानून से कर्मचारी विरोध नहीं कर सकेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि नए लेबर कोड का मकसद नियोक्ताओं के लिए कारोबार करना आसान बनाना है, न कि कर्मचारियों के जीवन को आसान बनाना। इस कोड का विरोध कई संगठन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह कानून कर्मचारियों का हक छीनने वाला है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि जब तक सरकार नए श्रम कानून को वापस नहीं लेगी तब तक वे लोग इसी तरह प्रदर्शन करते रहेंगे।

मेडिकल कैंप में 50 लोगों के लिए खून के नमूने

चिकित्सा शिविर में जांच कराते रोगी। ● अमृत विचार

संवाददाता शाहजहांपुर

- विशेषज्ञों ने मरीजों को दी चिकित्सीय सलाह व जानकारी

अमृत विचार : बहादुरगंज स्थित छोटी सब्जी मंडी में मंगलवार को लायंस क्लब शक्ति की ओर से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें रोगियों के खून की जांच कर डॉक्टर दीप्ति और उनके स्टॉफ ने चिकित्सीय सलाह दी।

इस अवसर पर अध्यक्ष लायन ललिता यादव ने बताया कि डायबिटीज कैंप में लगभग 50 लोगों का ब्लड सैंपल लिया गया। डायबिटीज और बीपी भी चेक किया गया। उन्होंने बताया कि डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान रखना चाहिए। डायबिटीज होने पर चीनी, मैदा चावल कोल्ड ड्रिंक अधिक तले हुए खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। डायबिटीज में साबुत अनाज ओट्स, दाल और हरी सब्जियां खानी चाहिए। कार्यक्रम में चार्टर अध्यक्ष लायन गुरजीत कौर, सचिव लायन गुरमीत कौर, कोषाध्यक्ष लायन प्रियंका बियानी, लायन प्रियंका ग्रोवर, लायन शुभांगी गुप्ता, लायन डॉक्टर दीप्ति, लायन करिश्मा ,लायन अमनप्रीत, लायन सोनिया मौजूद रहे। अध्यक्ष ललिता यादव ने आभार व्यक्त किया।

अवकाश के दिन भी अध्यापकों ने निभाई पुनरीक्षण अभियान की जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अवकाश के दिन बीएलओ एवं अध्यापकों मतदाता गणना प्रपत्रों का कार्य करते हुए।

अमृत विचार : एसआईआर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत निर्वाचक नामावली का डेटाबेस अपडेट करने हेतु नगर विधानसभा शाहजहांपुर के बूथ संख्या 68 से 75 तक आज अवकाश के दिन भी बीएलओ एवं अध्यापकों द्वारा मतदाता गणना प्रपत्रों का कार्य पूरी तत्परता से किया गया।

निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से बीएलओ और अध्यापकगण घर-घर पहुंचकर मतदाताओं के विवरण का मिलान कर रहे हैं, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से छूटे नहीं और त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का समय से संशोधन किया जा सके। बीएलओ के तौर पर इस कार्य में कल्पित बाथम, कंचन, सुधा, सरोज, लक्ष्मी, रीता, क्षमावती आदि लगे रहे। जबकि राजकुमार तिवारी, संजीव सेन, शैली, साधना, मीना, डॉ. इरम खान, निर्मला, अंजू गुप्ता, रेहाना, अनुपमा, सिम्पल, प्राचिता राजपूत, चेतना दीक्षित, सिद्धी, दिव्या आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बीएलओ को घर-घर जाकर प्रपत्र भरवाने के दिए निर्देश

संवाददाता, कुर्रिया कला/ शाहजहांपुर

एसआईआर शिविर का निरीक्षण करते एसडीएम सदर संजय पांडेय। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश में अभी एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया को पूरा कराया जा रहा है। निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला स्तर पर सभी अधिकारियों को इस कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

इसी को लेकर मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत तहसील सदर के ग्राम पंचायतो में चल रहे कार्य का मंगलवार को दोपहर से एसडीएम सदर सजंय पांडे ने निरीक्षण किया। बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण करते हुए उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तहसील सदर के सभागर में कार्य की अवलोकन करने के वाद क्षेत्र में निकले एसडीएम सादर ने ग्राम पंचायत मल्हपुर ,कौढ़ा, कमलनयनपुर, कांट बीआरसी पर पहुंचकर बीएलओ द्वारा भरे जा रहे फार्मो को चेक एवम धीमी गति से चल रहे कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसडीएम सदर संजय पांडे ने बताया कि गणना पत्र में परिवार के सभी मतदाताओं का नाम, आयु, पता और अन्य विवरण दर्ज किए जाएंगे। गणना पत्र में नौ बिंदुओं की सूचना दर्ज करनी होगी। चार दिसंबर के बाद बीएलओ को गणना पत्र सूचनाएं भरने के साथ ही वापस भी करना होगा। जिन लोगों का नाम वर्ष 2003 तक की मतदाता सूची में शामिल नहीं है, उनके दस्तावेजों के आधार पर नए सिरे से सत्यापन करके नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी। वहीं, जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया के दौरान नोटिस भी परिवार के सदस्यों को जारी होंगे। इस दौरान एसडीएम सदर संजय पांडे, चकबंदी अधिकारी चकबंदी चिंता तिवारी, ग्राम प्रधान अनुराग मिश्रा बीएलओ, महेंद्र दीक्षित व उमेश सक्सेना, दीपक अग्निहोत्री मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

ट्रैक्टर किराए पर लेने के बहाने से ठगी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मदनापुर क्षेत्र में मिट्टी भराई का काम दिलाने के नाम पर पांच किसानों के ट्रैक्टर किराए पर लेकर गायब कर देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव रजपुरा निवासी कृष्णा देवी ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि आठ माह पूर्व मिट्टी के कार्य के लिए किराए पर कुछ लोग उनका ट्रैक्टर मय कागजात के ले गए। आरोपियों ने 30 हजार रुपये प्रतिमाह किराया देने की बात तय की थी। आरोपियों ने गांव के लोगों के न ट्रैक्टर वापस किए और न ही किराया दिया। आरोपी झूठे मुकदमें में फंसाने में धमकी दे रहे हैं। ठगी के शिकार प्रतिवीर, ओमकार, सर्वेश कुमार, विजेंद्र कुमार हुए है। पुलिस ने आरोपी दामोदर निवासी मदनापुर, रविन्द्र पाल निवासी मदनापुर, जगप्रीत निवासी रामपुर समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

टेंपो में एक व्यक्ति की जेब काटी

निगोही, अमृत विचार : बेटी की शादी को दहेज लेने जा रहे एक व्यक्ति की टेंपो में जेब कतरे ने जेब काट दी और 60 हजार रुपये लेकर भाग गया। आरोपी को उसका साथी बाइक पर बैठाकर भगा ले गया। निगोही थाना क्षेत्र के गांव भटपुरा मिश्र निवासी रामेश्वर दयाल ने मंगलवार को बेटी की शादी के लिए दहेज का सामान लेने के लिए जा रहे थे। उनकी बेटी की शादी 30 नवंबर को है। मंगलवार दोपहर को निगोही अड्डे से एक टैंपो में शाहजहांपुर के लिए सवार हुए। उसके पड़ोस में आकर एक युवक बैठ गया। इस दौरान जेबकतरे ने रामेश्वर दयाल की जेब काट ली और 60 हजार रुपये निकाल लिए। जेब कतरा टैंपो से उतरकर अपने साथी की बाइक पर बैठक कर भाग गया। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है।

पराली से कई एकड़ गन्ना की फसल जली

पुवायां, अमृत विचार : मंगलवार सुबह करीब 10 बजे बेला गांव में आग लगने से कई किसानों की गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के अनुसार किसी ने अपने खेत में पराली जलाई थी, जिसकी चिंगारी हवा के साथ फैलकर आसपास के खेतों तक पहुंच गई। हालांकि आग लगने का यह कारण केवल चर्चा में है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग की चपेट में आकर आशीष की लगभग 5 एकड़, होरीलाल व अनिल के खेतों की गन्ना फसल जल गई। इससे लोगों का खासा नुकसान हुआ है।

धारदार हथियार से गला काटकर युवती का शव खेत में फेंका

एसपी ने घटना स्थल का किया निरीक्षण, मौके पर बांका मिला, पुलिस के अनुसार मैना का कातिल हो सकता है कोई करीबी

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/शाहजहांपुर

अमृत विचार: इटौरा गौटिया गांव के बाहर एक युवती का शव सुबह खेत में पड़ा मिला है। उसकी धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गयी है। एसपी राजेश द्विवेदी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने मृतका के परिवार वालों से पूछताछ की। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच कर नमूने लिए। पुलिस को मौके पर बांका मिला। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गयी।

मृतक मैना देवी।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव इटौरा गौटिया निवासी मदन लाल की बेटी मैना देवी (22) का शव मंगलवार की सुबह साढ़े दस बजे गांव के बाहर गोभी और मेथी के खेत में शव पड़ा देखा। युवती का शव मिलने से गांव में खबर आग की तरह फैल गयी। गांव वालों की भीड़ लग गयी। युवती का शव खून से लथपथ था और गला कटा हुआ था। मृतका के पिता मदन लाल ने देखा कि उसकी बेटी का गला कटा हुआ था। उन्होंने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को मौके पर खून से सना हुआ बांका मिला है। प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। एसपी राजेश द्विवेदी, एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस घटना के प्रत्येक बिंदु पर कार्य कर रही है।

घटना स्थल की जांच करते एसपी राजेश द्विवेदी व फॉरेंसिक टीम के सदस्य।

पिता बोले बेटी को कुछ दिन से लग रहा था डर

मदन लाल ने बताया कि गांव में उसके दो मकान में है। एक मकान में मैना, उसकी मानसिक रुप से कमजोर मां और दूसरे मकान में वह स्वयं और बेटा रहते है। रोजाना मैना देवी दूसरे मकान में पिता और भाई को खाना देकर चली जाती थी। सोमवार की शाम पिता और बेटे खेत पर थे। दोनों लोग रात में खेत पर रहे। उसने बताया कि बेटी ने पांच दिन पहले कहा था कि उसे सामने कोई लड़का दिखायी देता है, जिससे वह परेशान रहती है। उसने बेटी से कहा था कि सब्जी बेचने पर जो पैसे मिलेंगे, डाक्टर को दिखवा देंगे। हालांकि पुलिस के कई सवालों के जवाब मैना के परिजन और पिता नहीं दे पाए। कई सवालों से परिजन बचते हुए भी नजर नहीं आए।

घटना स्थल की जांच के लिए पहुंचे एसपी राजेश द्विवेदी व अन्य पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

आखिर पिता को नहीं लगी बेटी की हत्या की जानकारी

पुलिस से ने मैना देवी के पिता मदनपाल से घटना के संबंध में पूछताछ की। मदनपाल ने पुलिस को बताया कि वह रात को खेती पर ही था। मंगलवार सुबह 10 .30 बजे जब वह घर लौट रहा था, तब उसने गोभी के खेत में बेटी के शव को खून से लथपथ देखा। शव के पास बांका पड़ा था। मदनपाल ने पुलिस को बताया कि उसे जानकारी नहीं है कि बेटी की हत्या कैसे और किसने की है। वहीं उसने आशंका जताई है कि उसकी बेटी ने स्वयं गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली होगी। अब सवाल है कि आखिर बेटी अपना गला क्यों काटेगी। गला काटने के लिए उसने बांका को ही क्यों चुना, जबकि चाकू से भी गला काटा जा सकता था। हालांकि पुलिस इस घटना से जुड़े प्रत्येक बिंदु पर जांच कर रही है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि हत्या का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतका के परिवार वालों की तरफ से तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

> खेत में एक युवती का शव मिला है। उसके गर्दन में धारदार हथियार के निशान है और गला कटा हुआ है। परिस्थितियां और जनचर्चा के अनुसार करीबी का हाथ बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर काईवाई की जाएगी। घटना का शीघ्र खुलासा होगा।
> – **राजेश द्विवेदी**, एसपी

परिवार के इर्द-गिर्द घूम रही पुलिस के शक की सुई

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/शाहजहांपुर

अमृत विचार : पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में मृतका मैना देवी प्रेम–प्रसंग होने की बात सामने आ रही है। उसकी शादी तय हो गयी थी और शादी नहीं करना चाहती थी। पुलिस की शक की सुई परिवार के इर्द–गिर्द घूम रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी जांच चल रही है और घटना का शीघ्र खुलासा हो जाएगा।

थाना क्षेत्र के गांव इटौरा गौटिया निवासी मैना देवी का शव सुबह साढ़े दस बजे घर से करीब 100 दूर गोभी और मेथी के खेत में गला कटा मिला था। उसके गले में कई निशान थे। शव के पास खून से सना बांका मिला था। सबसे पहले पिता मदन लाल ने शव को देखा और शोर मचाया, कहा कि उसकी बेटी की हत्या कर दी गयी है। बताते है कि मृतका का गांव में किसी युवक से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। परिवार वालों ने विरोध भी किया था। परिवार वालों ने उसे युवक से बात करने के लिए मना किया था, लेकिन वह नहीं मानती थी। इस दौरान परिवार वालों ने उसकी शादी तय कर दी थी। उसने तय शादी का विरोध किया था। इस संबंध में एक रिकाडिंग परिजनों के मोबाइल में थी। उसके एक भाई ने रिकाडिंग को सुन लिया था। पुलिस की शक की सुई परिवार के इर्द–गिर्द घूम रही है। पुलिस ने मृतका के बेटों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पिता के अनुसार बेटी ने स्वयं गला काटकर हत्या की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभी जांच चल रही है और घटना का शीघ्र खुलासा होगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अपनीा ससुराल से वापस आ रहा था ओमपाल
- ढाई गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र में ढाई गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी होने पर परिजन घायल को सीएचसी पर ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उधर लखीमपुर खीरी निवासी घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ढाई गांव निवासी ओमपाल (37) की ससुराल कांट थाना क्षेत्र के गांव काकरघटा में है। ओपाल की पत्नी अपने मायके में थी। सोमवार को ओमपाल पत्नी और बच्चों से मिलने के लिए काकरघटा गया था। रात आठ बजे के करीब वह सुसराल से वापस आ रहा था। इसी दौरान ढाई गांव से कुछ दूरी पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में ओमपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची मिर्जापुर पुलिस और परिजन ओमपाल को लेकर सीएचसी पर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ओमपाल की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। वहीं ओमपाल की पत्नी का आरोप है कि कुछ दिन पहले ओमपाल का एक व्यक्ति से विवाद हो गया था। तब एक व्यक्ति ने ओमपाल को जान से मारने की धमकी दी थी। पत्नी का आरोप है कि हादसा किसी साजिश का परिणाम हो सकता है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। इधर लखीमपुर खीरी के थाना पसगवां के गांव सिकदारा निवासी जगदीश कुमार दो दिन सड़क हादसे में घायल हो गए थे। परिवार वालों ने उनको मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। घायल की इलाज की दौरान मंगलवार की शाम मौत हो गयी। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि पसगवां थाना क्षेत्र का मामला है।

टक्कर लगने से बाइक सवार युवक घायल

खुटार, अमृत विचार : गांव राठ निवासी गोविंद कुमार मंगलवार को बाइक से लखीमपुर खीरी के कस्बा मैलानी जा रहे थे। खुटार–मैलानी सीमा के पास प्रसादपुर के कठिना नदी पुलिया पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे गोविंद कुमार घायल हो गए और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों की सूचना पर यूपी 112 डायल पुलिस ने घायल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देख उसे जिला मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

तीन भाइयों ने युवक को पीटा

तिलहर। खेत देखने गए युवक पर रविवार को तीन भाइयों ने गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित ने थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गांव भुरेली निवासी ओमपाल ने बताया कि वह 23 नवंबर की शाम करीब 5 बजे अपना खेत देखने गया था। इसी दौरान गांव के अजय, अर्जुन और अमित तीनों सगे भाइयों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर तीनों ने एक राय होकर उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। हमले में ओमपाल के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गुम चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मैरिज लान के बाहर से बाइक चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- वाहन चोरी वारदातें बढ़ी, लगातार हो रही चोरियों से लोगों में भय

अमृत विचार : कटरा खुदागंज रोड पर स्थित एक मैरिज लॉन से चोर ने बाइक चोरी कर ली। बाइक को ले जाते हुए चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस आरोपी को तलाश कर रही है।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला कायस्थान निवासी फैसल सोमवार की रात आठ बजे कटरा-खुदागंज रोड पर एक शादी समारोह में मैरिज लान में गए थे। उन्होंने बाइक मैरिज लान गेट के बाहर खड़ी कर दी। वह आधे घंटे बाद वापस आए तो बाइक गायब मिली। उन्होंने कटरा थाना पर सूचना दी है। पुलिस ने मैरिज लान में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया। फुटेज में एक अज्ञात युवक बाइक के आसपास टहलता हुआ दिखायी दे रहा है। वह पहले बाइक पर बैठा। इसके बाद मेरिज लान के अंदर बाइक स्वामी को देखने के लिए गया। उसे बाइक स्वामी आता नहीं दिखायी दिया। चोर ने बाइक का लाक तोड़ा और स्टार्ट करके भाग गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

चोरी करके बाइक ले जाता चोर, सीसीटीवी में हुआ कैद।

सब्जी लेने गए युवक की बाजार से बाइक चोरी

तिलहर : बाजार में सब्जी लेने गए एक युवक की बाइक अज्ञात चोर उड़ा ले गए। काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता न चलने पर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। बंथरा निवासी बलवीर सिंह ने बताया कि वह 19 नवंबर की शाम करीब 5 बजे सरोवर नगर बाजार में सब्जी खरीदने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक बाजार में खड़ी कर दी। थोड़ी देर बाद जब वह सब्जी लेकर लौटे तो उनकी बाइक गायब थी। आसपास पूछताछ और काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद बलवीर ने पुलिस से शिकायत की। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात चोर के खिलाफ बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच की, जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

शराब फैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत

संवाददाता, निगोही/शाहजहांपुर

- पीलीभीत का रहने वाला था मुकेश कुमार
- 15 दिन पहले काम के लिए घर से आया था निगोही

अमृत विचार : निगोही क्षेत्र में एक शराब फैक्ट्री में काम करते समय मजदूर के करंट लग गया। फैक्ट्री के कर्मचारी उसको लेकर मेडिकल कालेज आए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक मुकेश।

पीलीभीत जिले के थाना बरखेड़ा के गांव ललौली निवासी मुकेश (25) निगोही क्षेत्र में एक शराब फैक्ट्री में काम करता था। सोमवार शाम काम करते समय उसको करंट लग, जिससे वह नीचे गिरकर बेहोश हो गया। फैक्ट्री के कर्मचारी मुकेश को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मुकेश 15 दिन पहले फैक्ट्री में काम करने के लिए आया था। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मुकेश की मौत से पत्नी बेलावती और दो बच्चों का रो रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

श्री हनुमतधाम में सुन्दरकांड से गूंजा वातावरण

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : श्री अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के शिखर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए धर्म ध्वाजारोहण के साथ ही देशभर में उत्सव जैसा माहौल बना है। श्री हनुमतधाम में उसी समय धर्म ध्वजा फहराई। प्रातः काल से ही हनुमतधाम में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुन्दरकांड पाठ कर प्रभु श्रीराम और बजरंगबली की स्तुति की। इसके बाद गर्भगृह स्थित रामदरबार के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वज पूजन संपन्न हुआ। शंखनाद और जयघोष के साथ धाम परिसर में भव्य ध्वजारोहण किया गया। आयोजन के बाद भक्तों ने हवन में आहुति दी और मंदिर प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, चन्द्रशेखर खन्ना, जयप्रकाश वाजपेई, पुजारी हरिओम वाजपेई, अमन वाजपेई, हर्ष, राजीव कपूर सहित कई सदस्यों ने पूरे आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भण्डारा प्रसाद वितरण में राजकीय मेडिकल कॉलेज, शाहजहांपुर के बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रवक्ता डॉ अनिल एवं उनके परिवार का योगदान रहा।

श्री हनुमतधाम में धर्म ध्वजा फहराते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मकान से नगदी समेत लाखों के जेवर चोरी, दी तहरीर

संवाददाता, निगोही/शाहजहांपुर

अमृत विचार : निगोही थाना क्षेत्र के एक गांव में चोरों ने मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी कर ली। मकान मालिक के रिश्तेदार जब सुबह उनके घर पहुंचे तो चोरी की जानकारी हुई। जिस वक्त चोरी हुई थी। उस वक्त गृह स्वामी परिवार सहित एक नामकरण समारोह में शामिल होने के लिए गए थे।

क्षेत्र के संडा खास निवासी मुनेंद्र अवस्थी ने बताया कि सोमवार को वह अपने भतीजे के नामकरण संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। रात में किसी वक्त चोरों ने घर का ताला तोड़ दिया और घर में रखे 27 हजार 500 रुपये, एक जोड़ी झुमकी, तीन पायल, एक सोने की चेन, चांदी के 11 सिक्के और एक गैस सिलेंडर ले गए। मंगलवार सुबह जब उनकी सास मधु पांडेय और साले हिमांशु पांडेय सुबह उनके घर पहुंचे तब चोरी की जानकारी हुई। उनके साले और सास ने चोरी की घटना की जानकारी दी। मुनेंद्र ने थाना निगोही में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी की जा रही है।

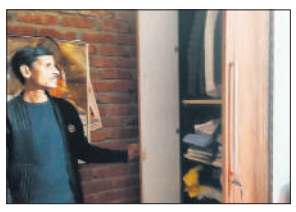

चोरी की जानकारी देता पीड़ित।

बाइकों की भिड़ंत में महिला घायल

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार : थाना गढ़िया रंगीन क्षेत्र के गोगेपुर मड़ई के बीच मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे दो बाईकों की आमने-सामने टक्कर में गर्भवती महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं बाइक चला रहे उसके पति को मामूली चोटे आई।

महिला पति के साथ गोगेपुर में अपनी दवाई लेने आई थी। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं दूसरा बाइक सवार बाहर मौका पाकर भाग गया। जो भररई गांव का बताया जा रहा है। गांव गढ़िया रंगीन के गांव मटेना उमरसड़ की मीना अपने पति राजीव के साथ बाइक से गोगेपुर दवाई लेने आई थी। शाम करीब 5:30 दोनों घर जा रहे थे। तभी गोगेपुर-मड़ई के बीच सामने से आए बाइक सवार नें जोरदार टक्कर मार दी और भाग गया। टक्कर लगने से महिला सड़क पर गिर गई।सिर व हाथ-पैर गंभीर चोटें आई। वहीं बाइक चला रहें उसके पति को मामूली चोटें आई।महिला सात माह की गर्भवती हैं।

घायल गर्भवती महिला का इलाज करते डाक्टर। ● अमृत विचार

- दूसरा बाइक सवार भाग गया जांच कर रही पुलिस

सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस के पायलट करमचंद, ईएमटी रवि नंदन घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। महिला की हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बहकावे में आकर लड़की पक्ष ने तिलक चढ़ाने से किया इनकार

संवाददाता, फरीदपुर

- नाश्ता करने के बाद कर दिया इनकार, पुलिस तक पहुंचा मामला

अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर में तिलक समारोह के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। करनपुर निवासी करन सिंह के पुत्र का विवाह शाहजहांपुर के थाना तिलहर स्थित मीरपुर माफी निवासी राकेश की पुत्री से तय हुआ था। कार्यक्रम के अनुसार 24 नवंबर को लड़की की गोद भराई की रस्म हुई थी, जिसमें लड़के पक्ष ने सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायल, साड़ियां, कपड़े तथा 11 हजार रुपये नकद भेंट किए थे। इसी दिन शाम को लड़के का तिलकोत्सव भी निर्धारित था।

शाम होते ही लड़के पक्ष के गांव में लगन उत्सव की तैयारी जोरों पर थी। मेहमानों और रिश्तेदारों के लिए भोजन-नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। लगभग 6 बजे लड़की पक्ष समारोह में पहुंचा और नाश्ता-भोजन करने के बाद अचानक गांव के ही किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर लगन चढ़ाने से इंकार कर दिया। उनका आरोप था कि लड़के पक्ष के पास बताई गई खेती उतनी नहीं है, जितनी जानकारी पहले दी गई थी। लड़के पक्ष और अन्य रिश्तेदारों ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और बिना तिलक चढ़ाए वापस लौट गए। जब लड़के पक्ष ने गोद भराई में दिए गए आभूषण व नगद वापस मांगे तो लड़की पक्ष गाली-गलौज पर उतारू हो गया और धमकी दी कि सामान मांगा तो झूठे मुकदमे में फंसा देंगे। मामला बढ़ने पर पीड़ित पक्ष फरीदपुर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने लड़की पक्ष से बात कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ट्रक की टक्कर से बालिका की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- भूसे भरी ट्राली पर बैठी थी लड़की ट्राली पंक्चर हो गयी थी

अमृत विचार: भावलखेड़ा। लखनऊ दिल्ली नेशनल हाईवे पर ट्रक की टक्कर से घायल हुई ट्रैक्टर ट्राली सवार सात वर्षीय बालिका की घायल हो गयी। घायल बालिका की मेडिकल कालेज से लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय बालिका की मौत हो गयी।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला अहमदपुर रेती निवासी विजय पाल रविवार को ट्रैक्टर-ट्राली से अपनी रिश्तेदारी में जनपद हरदोई के थाना पाली के गांव कुर्सेली गए थे। वह शाम को ट्रैक्टर-ट्राली में भूसा लेकर लौट रहे थे। बाडीगांव के सामने उनकी ट्राली का एक पहिया पंक्चर हो गया। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्राली को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया। उन्होंने अपनी सात वर्षीय बेटी शिवांगी को ट्राली में भरे भूसे पर बैठे रहने दिया। इसी बीच तीव्रगति से आ रहे ट्रक ने ट्राली को टक्कर मार दी, जिससे ट्राली अचानक पलट गयी। ट्राली पलटने से उसकी बेटी दबकर घायल हो गयी। परिवार वाले घायल बालिका को मेडिकल कालेज लेकर आए। जहां डाक्टर ने घायल बालिका को रेफर कर दिया। परिवार वालों घायल बालिका शिवांगी को अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार की सुबह परिवार वाले घायल बालिका को लेकर बरेली से लखनऊ जा रहे थे।

शाहजहांपुर से निकलते ही बालिका की मौत हो गयी। चालक ट्रक लेकर भाग गया। मृतका शिवांगी कक्षा तीन में पढ़ती थी और मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाइक की टक्कर से महिला घायल

तिलहर, अमृत विचार : कपसेड़ा निवासी हिमांशु ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी मां सुनीता 11 नवंबर की शाम करीब 5 बजे बालाजी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद घर लौट रही थीं। तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल सुनीता को बेहोशी की हालत में बंथरा हाईवे स्थित रोहिलखंड अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात बाइक और उसके चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

न्यूज ब्रीफ

दिव्यांग युवक छह दिन से लापता, दी तहरीर

पुवायां, अमृत विचार : गंगसरा निवासी राजू पुत्र जगपाल का दिव्यांग साला चेतराम सोबरन लाल पिछले छह दिनों से लापता है। दोनों पैरों से दिव्यांग चेतराम पिछले लगभग 40 वर्ष से राजू के साथ ही रहता था और हाथ-चालित रिक्शा से चलना फिरना करता था। परिजनों के अनुसार चेतराम प्रतिदिन की तरह दिन में गांव के आसपास घूमने जाता था और शाम तक घर लौट आता था, लेकिन पिछले छह दिनों से वह वापस नहीं आया। परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की है।

सीओ सदर ने सदर बाजार में की गश्त

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीओ सिटी प्रयांक जैन ने पुलिस फोर्स के साथ सदर बाजार, बहादुरगंज, गोविंदगंज, लाल इमली चौराहे आदि स्थानों पर पैदल गश्त की। उन्होंने यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को सतर्कता और सक्रियता के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी अपनी ड्यूटी कायदे से निभाएं। प्रभारी निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

शावक होने की अफवाह, निकली बिल्ली

वन विभाग की टीम ने जंगली बिल्ली को कब्जे में लेकर मैलानी पशु चिकित्सालय के सुपुर्द किया

संवाददाता, खुटार/शाहजहांपुर

अमृत विचार : खुटार के गांव रजमना निवासी किसान छोटेलाल के खेत में गन्ने की चल रही छिलाई के दौरान मंगलवार दिन में बारह बजे फिशिंग कैट (जंगली बिल्ली) का बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने मादा तेंदुआ का शावक होने का जिक्र कर मौके पर भारी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे कब्जे में लिया और खुटार वन रेंज मैलानी लेकर चले गए। बाद में फिशिंग कैट को मैलानी पशु चिकित्सालय के डॉक्टर को सुपुर्द कर दिया गया। जहां उसकी देखभाल हो सकेगी। खुटार के गांव रजमना निवासी किसान छोटेलाल के खेत में गन्ने की छिलाई का कार्य चल रहा है। मंगलवार दिन में करीब बारह बजे कई श्रमिक गन्ने की छिलाई कर रहे थे। तभी गन्ने के

गन्ने खेत में मिला बिल्ली का बच्चा।

अंदर से जंगली जानवर होने की आहट सुनाई दी। मौके पर मौजूद श्रमिक घबरा गए और इसकी जानकारी खेत स्वामी छोटेलाल को दी। बाद में किसान छोटेलाल ने तमाम श्रमिकों के साथ गन्ने के अंदर पहुंचे। जहां मादा तेंदुए का शावक होने की आशंका जताई। यह बात ग्रामीणों को हुई तो उसे देखने आसपास गांव के लोग पहुंच गए। वजह है कि तीन दिन पहले गांव सौफरी में राजाराम वर्मा के खेत में नर तेंदुआ पकड़ा गया था। उसी के चलते लोग मादा तेंदुए का बच्चा समझ रहे थे। इसके बाद लोगों की सूचना पर प्रशिक्षु वन दरोगा आशीष कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। पता चला कि जंगली बिल्ली का बच्चा है। टीम ने उसे उठाकर खुटार वन रेंज मैलानी कार्यालय लेकर चले गए। बाद में उसे मैलानी पशु चिकित्सालय भेज दिया गया।

तेंदुआ ने नीलगाय का किया शिकार दहशत में ग्रामीण

खुटार, अमृत विचार : गांव सौफरी में गन्ने के खेत में मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे नीलगाय का अधखाया शव बरामद हुआ है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने जांच की। लेकिन किस जंगली जानवर ने नीलगाय पर हमला किया है। इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। टीम ने कांबिंग की और ग्रामीणों को सतर्कता बरतने के साथ ही जागरूक किया। इसके अलावा टीम ने पगमार्क ट्रेस नहीं कर पाई। बाद में वापस लौट गई। उधर, आसपड़ोस में लगातार बाघ व तेंदुए की चहलकदमी से लोग भयभीत है। गांव सौफरी के रहने वाले अभिषेक, प्रांशू, शिवम, शोभित, अंकित, सुमित, विशाल ने बताया कि मंगलवार शाम को गांव के पश्चिम दिशा में गांव इटौआ के रहने वाले बाराती के गन्ने के खेत में मृत नीलगाय पड़ी है। ऐसी जानकारी हुई। तो तमाम लोग मौके पर पहुंचे। जहां नीलगाय का अधखाया हुआ शव मिला। वन रक्षक आशीष शुक्ला टीम के साथ पहुंचे और जांच की। बाघ और तेंदुआ की चहलकदमी से आसपास के ग्रामीण दहशत में है।

तीन दिन पहले पकड़ा तेंदुआ इटावा के जंगल में छोड़ा

खुटार : खुटार के गांव सौफरी में रहने वाले राजाराम वर्मा के खेत में बना पुराने कुएं में 23 नवंबर को नर तेंदुआ (शावक) गिर गया था। सूचना पर कई गांव के लोग उसे देखने पहुंचे थे। इसके बाद वन विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। दोनों टीमों की कड़ी मशक्कत के बाद उस तेंदुए को कुएं से निकाला जा सका था। वन विभाग की टीम कब्जे में लेकर उसे खुटार वन रेंज मैलानी कार्यालय लेकर चली गई थी और उसे पिंजरे में कैद कर लिया गया था। वनकर्मियों से मिली जानकारी के मुताबिक, अधिकारियों के आदेश के बाद मंगलवार शाम को वन दरोगा रोहित पांडेय, वनरक्षक संतोष गौड़, डॉक्टर दया वाहन से नर तेंदुआ को उत्तर प्रदेश के जिला इटावा के लाइन सफारी में जंगल में ले जाया गया। जहां देर रात उसे छोड़ दिया गया। हालांकि अभी भी क्षेत्रीय लोगों में जंगली पशुओं के होने की चिंता सता रही है। लोगों ने बताया कि तेंदुआ की दहशत से लोग परेशान थे।

कार्यशाला में छात्रों को दी बचत करने की जानकारी

कार्यशाला में अपनी बात रखते वक्ता। • अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

- **विशेष वित्तीय कार्यशाला में वक्ताओं ने रखे विचार**

अमृत विचार : डीपी सिंह महाविद्यालय में मंगलवार को वित्तीय शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें धन के निवेश और बचत करने की जानकारी वक्ताओं ने छात्रों को दी। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स के सहयोग से किया गया। ए

मुख्य वक्ता के रूप में सेबी के रिसोर्स पर्सन और ट्रेनर मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में केवल धन कमाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस धन का सही प्रबंधन करना उससे भी अधिक आवश्यक है। उन्होंने वित्तीय साक्षरता की विशेषताओं को भी समझाया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों द्वारा पूछे गए निवेश और शेयर बाजार से जुड़े सवालों का विशेषज्ञों ने समाधान किया। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

अनट्रेंड बीएलओ की ड्यूटी लगाने पर विरोध

पत्रकार वार्ता में बोलते जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता। • अमृत विचार

गसंवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि पता नहीं क्यों इतनी जल्दबाजी में एसआईआर लागू कर अन ट्रेंड बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। जिनको खुद नहीं पता कि उन्हें करना क्या है हा कुछ बीएलओ अच्छा भी काम कर रहे है तो वहीं कुछ बीएलओ भाजपा पार्षद नेताओं के पास बैठकर उनके हिसाब से काम कर रहे है। बीएलओ को निष्पक्ष होकर कार्य करना होगा। वरना कांग्रेस उनके विरुद्ध आंदोलनात्मक कड़ा कदम उठाएगी।

महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खां ने कहा हम किसी भी वोट को कटने नहीं देंगे पार्टी के सभी कार्यकर्ता हर जगह मदद कर रहे है। एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने जा रही है। 14 दिसंबर को देश की राजधानी दिल्ली में विशाल रैली कर कांग्रेस इसका विरोध करेगी। जिसका नेतृत्व नेता विपक्ष राहुल गांधी करेंगे बड़ी संख्या में शाहजहांपुर से कांग्रेसी शामिल होंगे।पत्रकार वार्ता में अनस इक़बाल, पीसीसी सदस्य राम प्रकाश दीक्षित, उपाध्यक्ष प्रभारी संगठन फुरकान अहमद कुरैशी, सईद अंसारी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अरुणोद मिश्रा, मोहम्मद जकी मौजूद रहे।

कलान में यूरिया खाद को लेकर किसान परेशान

कलान, अमृत विचारः इस समय रबी की फसल की बुवाई के चलते यूरिया खाद की किसानों को आवश्यकता है क्योंकि फसल उगने के बाद गेहूं आदि की फसल में खाद लगने के लिए किसान परेशान हैं। यूरिया खाद के लिए निजी खाद भंडारों पर महंगे दामों पर यूरिया खाद लेना उनकी मजबूरी है। जबकि कलान क्षेत्र में स्थित साधन सहकारी समितियों पर यूरिया उपलब्ध नहीं है। कुछ किसानों ने यह भी बताया है कि कलान क्षेत्र में सरकारी से साधन सहकारी समितियों पर डीएपी तक नहीं मिल पाई थी। समितियों पर मौजूद एनपीके से ही किसानों ने संतुष्ट होने के बाद गेहूं की फसल आदि बोने से पहले एनपीके ही लगानी पड़ी। डीएपी का इंतजार करना ही छोड़ दिया था। जबकि अब यूरिया खाद के लिए किसान साधन सहकारी समितियों के चक्कर लगा रहे हैं।उन्हें यूरिया खाद नहीं मिल पा रही है। साधन सहकारी समिति जखिया के सचिव परिमाल सिंह ने बताया एक-दो दिन में यूरिया खाद समितियों पर उपलब्ध हो जाएगी। रजिस्ट्रेशन करने वाले किसान को खेती के मुताबिक खाद मिलेगी।

टीम में एसएस कॉलेज के पांच खिलाड़ियों का चयन

क्रिकेट टीम में चयनित एसएस कॉलेज के खिलाड़ी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **एमजेपी रूहेलखंड विश्वविद्यालय के लिए कैंप को रवाना हुए एसएस कॉलेज के पांचों खिलाड़ी**
- **मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने दी बधाई**

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के पांच खिलाड़ियों का चयन महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीम में किया गया है। इन खिलाड़ियों को यह मौका अंतरमहाविद्यालयीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण मिला है।

विश्वविद्यालय में आयोजित कैंप के लिए एसएस कॉलेज के खिलाड़ी प्रीतेश आकर्षित, फिरदौस, सुबोध और निखिल का चयन किया गया है। रुहेलखंड विश्व विद्यालय की टीम में शामिल पांचों खिलाड़ी 22 नवंबर से 2 दिसंबर तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले नॉर्थ ज़ोन अन्तरविश्वविद्यालयी टूर्नामेंट में प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों की इस सफलता पर मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, सचिव डॉ अवनीश मिश्र, प्राचार्य प्रो आर के आजाद, उपप्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल, क्रीड़ा सचिव प्रो अजीत सिंह चारग, उपसचिव डॉ प्रांजल शाही सहित कॉलेज के समस्त स्टाफ ने उज्ज्वल भविष्य और उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की रंजिशन गोली मारकर हत्या

संवाददाता, दियोरियाकलां (पीलीभीत)

- **पुरानी रंजिश के चलते आरोपी पक्ष ने की वारदात**
- **दियोरियाकला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई वारदात**

अमृत विचारः छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी पक्ष ने असलहों से लैस होकर उसके घर पर मंगलवार देर शाम हमला कर दिया था। करीब सात माह से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी। इस दौरान महिलाओं से भी मारपीट की गई। एसपी अभिषेक यादव व पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए।

घटना दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई। यहां की रहने वाली एक युवती की ओर से 15 अप्रैल को दियोरियाकलां कोतवाली में गांव के ही आशीष कुमार, नेवाराम, मुरारीलाल, बादशाह, रामऔतार, अमन, शिवम और सूरज के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट आदि धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें आरोप था कि आरोपी आशीष उसका पीछा कर छेड़छाड़ करता

घटना स्थल पर पड़े कारतूस।

है। पीड़िता के परिवार ने इसे लेकर बातचीत कर विरोध किया तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। इसी मुकदमे के बाद से दोनों परिवारों के बीच रंजिश चली आ रही थी। बताते हैं कि मंगलवार देर शाम आरोपी पक्ष के तमाम लोग लाइसेंसी रायफल, अवैध असलहों से लैस होकर घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया। इस दौरान फायरिंग की गई, जिसमें गोली लगने से छेड़छाड़ पीड़िता का 25 वर्षीय चचेरे भाई की मौत हो गई। इस दौरान परिवार की महिलाओं से भी मारपीट की गई। जिसके बाद आरोपी भाग गए। सूचना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर में सीओ प्रगति चौहान, कोतवाल दिगंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद एसपी अभिषेक यादव भी मौके पर पहुंच गए। मौका मुआयना कर घटना के बारे में जानकारी की गई। फॉरेंसिक टीम और एसओजी को भी बुला लिया गया। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। घटना स्थल पर कारतूस भी पड़े मिले, जिसे कब्जे में ले लिया गया। बताते हैं कि लाइसेंसी राइफल से गोली चलाई गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। गांव में हालात को देखते हुए पुलिस तैनात कर दी गई है। घटना के बाद से गांव में दोनों पक्षों के बीच रंजिश और गहरी हो गई है।

घर के बाहर से बाइक ले गए चोर, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खुदागंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला नयागंज निवासी साबिर ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसकी बाइक घर के बाहर रात आठ बजे खड़ी थी। चोर बाइक चुराकर ले गए। उन्होंने बाइक को तलाश किया और नहीं मिली। पुलिस चोरी गई बाइक की तलाश कर रही है। पीड़ित ने बताया कि पिछले कई दिनों में वाहन चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। जिससे लोगों में डर बना हुआ है। बताया कि मौका मिलते ही वाहन चोर बाइकों को ले जाते हैं। चोरियों का खुलासा न होने से लोगों में रोष है।

बाल विवाह के बताए दुष्परिणाम

लोगों को जानकारी देते विभागीय अधिकारी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **तिलहर ब्लॉक के डभौरा गांव में आयोजित किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम**

अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज-5 आपरेशन के तहत तिलहर ब्लॉक के गांव डभौरा में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों को बाल विवाह, बाल श्रम, महिला अपराध से संबंधित जानकारी दी गई।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के सुपरवाइजर ज्ञान स्वरूप ने बच्चों की समस्याओं की रिपोर्टिंग में 1098 की भूमिका के बारे में जानकारी दी। बाल विवाह एवं बाल श्रम उन्मूलन हेतु कानूनों और समाज की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। दिवाकर मिश्रा ने सभी को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य ग्राम प्रधान शबनम, प्रधानपति शाकिर, समूह से जैनव, शाहाना तथा आंगनबाडी कार्यकत्री आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवी अमित के पिता के निधन पर जताया शोक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : वरिष्ठ स्तंभकार अमित त्यागी के पिता एनसी त्यागी का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे कुछ दिनों से सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को पैतृक स्थान मंडी धनौरा (अमरोहा) से तिगरी घाट पर किया गया। सामाजिक गतिविधियों और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े होने के कारण वे अपने गांव व परिचितों में बेहद सम्मानित थे। उनके निधन पर तमाम जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद, 35 हजार का जुर्माना

विधि संवाददाता, पीलीभीत

- **विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने सुनाया फैसला**

अमृत विचारः घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म करने के छह साल पुराने मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया। सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए बीस साल कैद और जुर्माने से दंडित किया है।

सेहरामऊ उत्तरी थाने में दी गई तहरीर में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि वह अपनी पत्नी संग रिश्तेदारी में सीतापुर गए थे। घर पर पुत्र और दो पुत्रियां (13 वर्ष और 4 वर्ष) थी। 9 अगस्त 2019 को पुत्र खेत पर काम करने गया था और छोटी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इस बीच गांव का शमशाद घर में घुस आया और तेरह वर्षीय पुत्री से छेड़छाड़ की। शोर पर मोहल्ले के कई लोग पहुंचे तो आरोपी भाग गया। घर में घुसकर छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की।

पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और कोर्ट में बयान कराए गए। जिसके बाद विवेचना पूरी कर घर में घुसकर दुष्कर्म, धमकाने और पॉक्सो एक्ट के तहत चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की गई। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी शमशाद को दोषी पाते हुए 20 साल कैद और 35 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है।

डिप्टी आरएमओ ने केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई

संवाददाता, बीसलपुर

- **धान क्रय केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान पाई अव्यवस्था**

अमृत विचारः डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने मंडी पहुंचकर धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। अव्यवस्था मिलने पर नाराजगी जताते हुए क्रय केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई।

बता दें कि बीसलपुर मंडी समिति में धान खरीद के लिए 33 क्रय केंद्र खोले गए हैं। तीन अक्टूबर से अब तक करीब 85593 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। क्रय केंद्रों से धान का उठान न होने से टिनशेड पटे हैं। इधर, केंद्र प्रभारियों ने धान की तौल रोक दी है। इससे किसानों के धान लदी ट्रॉलियों की कतार लगी है। बीते दिनों एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें आरोप था कि कार में बैठाकर एक केंद्र प्रभारी खरीद में खेल कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने से खलबली मची रही थी।

मंगलवार को डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला, एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कमार मंडी समिति पहुंचे और धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। पीसीयू धान क्रय केंद्र पर उठान न होने की शिकायत डिप्टी आरएमओ से की गई। किसानों का आरोप था कि करीब एक माह से तौल नहीं की गई।डिप्टी आरएमओ ने क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर अव्यवस्थाओं के लिए केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई। धान की तौल कराने के निर्देश दिए गए।

कृष मिस्टर फ्रेशर और अंशिका बनी मिस फ्रेशर

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बीकॉम के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आरके अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सक्सेना व उप प्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल ने स्वामी शुकदेवानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि करके किया। अतिथियों का स्वागत चंदन तिलक व पुष्प कलिका भेंट करके किया गया।

इस मौके पर इंजीनियर आरके अग्रवाल ने कहा कि छात्र जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ अपने अंदर कौशल भी विकसित करें। डॉ अनुराग अग्रवाल ने कहा कि स्वअनुशासन और समय प्रबंधन सफलता की कुंजी है। बीकॉम कम्प्यूटर के क्रिश

कृष राजपाल मिस्टर फ्रेशर और अंशिका बनीं मिस फ्रेशर। • अमृत विचार

ने मेरे घर राम आएंगे भजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ किया। नेहा, हर्षिता, अनुष्का, क्रिश, वैभव, रवि, अनुराग, मलायका, जाह्नवी ने ग्रुप नृत्य प्रस्तुत किया। बीकॉम फाइनेंस की नेहा और जानवी ने युगल नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। बीकॉम आनर्स से शीजा और अमृत सिंह ने एकल गीत प्रस्तुत किया। बीकॉम कंप्यूटर कि छात्रा हर्षिता देवी ने कजरा मोहब्बत वाला गीत पर समा बांध दिया। मलाइका, मुसाब्बिया, सानिया व सैफ ने संयुक्त रूप से संचालक किया गया। इसके बाद मिस्टर और मिस फ्रेशर चयन के लिए तीन चरण में प्रतियोगिता हुई। डॉ देवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में निर्णायक मण्डल ने बीकॉम कंप्यूटर के कृष राजपाल को मिस्टर फ्रेशर और बीकॉम कंप्यूटर की छात्रा अंशिका मौर्या को मिस फ्रेशर चुना गया का। इस अवसर पर एचपी कॉलेज बदायूं की प्राचार्य डॉ रतिका चावला ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजन में बीकॉम ऑनर्स की छात्रा काजल, बीकॉम कंप्यूटर की छात्रा निवेदिता रस्तोगी, सुमित सिंह चौहान, सार्थक शुक्ला आदि छात्रों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. कमलेश गौतम, डॉ. गौरव सक्सैना, डॉ. अजय कुमार वर्मा, डॉ. संतोष प्रताप सिंह, डॉ.सचिन खन्ना, बृज लाली चौबे आदि रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

बुद्धिस्ट सोसाइटी आज मनाएगी संविधान दिवस

बदायूं, अमृत विचार : दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा बुधवार को 76वां संविधान दिवस शहर के अम्बेडकर पार्क में मनाया जाएगा। संविधान दिवस पर एक जनसभा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्मानंद बौद्ध जिलाधीश करेंगे और मुख्य अतिथि रामसेवक गौतम होंगे। कार्यक्रम में महिला इकाई भी मौजूद रहेगी। बुधवार को होने वाले संविधान दिवस के लिए अम्बेडकर पार्क को मंगलवार को सजाया गया।

नीलकंठ महादेव बनाम जामा मस्जिद मुकदमे में सुनवाई टली

बदायूं, अमृत विचार : नीलकंठ महादेव बनाम जमा मस्जिद मुकदमे में मंगलवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट न्यायाधीश पुष्पेन्द्र चौधरी निरीक्षण में व्यस्त होने के कारण सुनवाई टल गई। अब अगली सुनवाई की तारीख 15 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

पूर्व मंत्री और पालिका चेयरमैन ने भरा एसआईआर फॉर्म

बदायूं, अमृत विचार : पूर्व मंत्री आबिद रजा और नगर पालिका परिषद की चेयरमैन फातमा रजा ने एसआईआर फॉर्म भर दिया है। उन्होंने शहर से लेकर ग्रामीणों से बीएलओ का सहयोग करने का आह्वान किया है। पूर्व मंत्री ने कहा कि सभी मतदाताओं से चुनाव आयोग की तय व्यवस्था के अनुसार एसआईआर फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जमा करने को का है। बिसौली के शरह बरौलिया स्थित सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज में मतदाता पुनरीक्षण और डिजिटाइजेशन कार्य के तहत बूथ संख्या 70, 71, 72 पर बीएलओ विनीत पाठक, शिवकुमार शर्मा के साथ कॉलेज के शिक्षक अश्वनी शर्मा, अनमोल उपाध्याय, मंयक पाठक ने फीडिंग में सहयोग किया। पर्यवेक्षक ऋषिकांत शर्मा ने पुनरीक्षण कार्य निरीक्षण में संतोष व्यक्त किया।

ई-रिक्शा से भिड़ंत में बाइक सवार की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सहसवान-बिसौली मार्ग स्थित गांव सुल्तानपुर के पास हुआ सड़क हादसा
- एक युवक गंभीर रुप से घायल सहसवान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर

अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र में बाइक और ई-रिक्शा की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई और दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा मंगलवार देर शाम सहसवान-बिसौली मार्ग स्थित गांव सुल्तानपुर के पास हुआ। जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी हरकेश पुत्र सुरेश पाल, मदनलाल पुत्र भूरे बाइक से बिसौली की ओर जा रहे थे। गांव से बाहर निकलने पर ई-रिक्शा से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक मौके से भाग गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक सवार दोनों युवकों को सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने हरकेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं मदन लाल की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन चीत्कार करते पहुंचे। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मांग अधिक और आवक कम होने की वजह बता रहे जानकार, 50 से 60 रुपये किलो बिक रही हरी मिर्च

आसमान छू रहे सब्जियों के दाम, 80 रुपये किलो बिक रहा टमाटर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एकाएक सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। जिसमें टमाटर की कीमत दोगुनी हो गई है। अन्य सब्जियों के दाम भी 15 से 20 प्रतिशत बढ़ गए हैं। टमाटर 80 से 90 रुपये और हरी मिर्च 50 से 60 रुपये किलो बिक रही है। सब्जियों के दाम में उछाल आने का कारण थोक विक्रेता मंडी में सब्जियों की मांग अधिक और आवक कम होना बता रहे हैं। बाहर से कम मात्रा में सब्जी आ रही है। और आसपास के क्षेत्रों से सब्जियों की उपलब्धता न के बराबर है।

सब्जियों के दामों में अचानक से वृद्धि के पीछे सहागल को लोग कारण मान रहे हैं। सहालग में सब्जियों की मांग अधिक हो गई है। जिसके कारण सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। लोगों का कहना है कि अक्टूबर के दौरान हुई बारिश की वजह से खेतों में सब्जियों की खेती खराब हो गई थी। इस वजह से सब्जियों की मंडी में आवक कम हैं। अगर ऐसा न होता तो हर बार की तरह इस बार भी मंडी में सब्जियों की भरमार होती। रुपापुर के किसान श्याम पाल ने बताया कि उन्होंने सर्दियों में पालक, धनिया, मेथी की फसल की बुवाई की थी, लेकिन अक्टूबर के दौरान हुई बेमौसम बरसात के कारण फसल नष्ट हो गई। इसलिए दोबारा फसलों की बुवाई की है। बढ़वार के बाद कटाई कर मंडियों में सब्जी भेजी जाएगी। वहीं बिसौली क्षेत्र के गांव हत्सा निवासी किसान सेवा राम ने बताया कि मटर और टमाटर की फसल की बुवाई उनके द्वारा अक्टूबर माह में की थी। पिछले माह में हुई बेमौसम बरसात के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर गया था। अब दोबारा फसल की बुवाई की है। यही कारण है कि अभी तक मटर बाजार में दिखाई नहीं दे रही है। जो आ रही है उसके दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जी विक्रेता रामकिशन साहू कहना है कि सब्जियों के दाम में एकाएक बढ़ोत्तरी हुई है। दाम 15 से 20 फीसद बढ़े हैं। सब्जियों पर महंगाई का कारण सहालग नहीं है, बल्कि बाहरी मंडियों का माल नहीं आने के कारण सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। सब्जी विक्रेता सुखपाल का कहना है कि इस समय तक आसपास के क्षेत्र से सब्जियां आनी शुरू हो जाती थीं पर इस बार उनकी भी आवक नहीं हो रही है। इसलिए हरी सब्जी सस्ती नहीं मिल रही है।

ठेले से सब्जी खरीदता व्यक्ति। ● अमृत विचार

अक्टूबर में हुई बरसात का पड़ा मंडी पर असर

स्थानीय किसानों का कहना है कि अक्टूबर के दौरान हुई बेमौसम बरसात के कारण फसल को नुकसान हुआ था। इसलिए दोबारा सब्जियों की बुवाई की गई है। यही कारण है कि सब्जी मंडियों तक सब्जियां कम पहुंच रही है।

बाजार में बिकने वाली सब्जी के ये है दाम

टमाटर 70 से 80 हो गया है। मिर्ची 60 से 80, अदरक 70 से 80, कद्दू 70 से 60, मटर 160, धनिया 70 से 100, भिंडी 40 से 80 रुपये किलो है। जिसे खरीदना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है।

ढाई करोड़ से ठीक होंगी ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें

15 गांव की सड़कें ठीक करने के लिए शासन ने जारी किया बजट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्रों में टूटी पड़ी सड़कों का जल्द ही जीर्णोद्धार किया जाएगा। 15 सड़कों की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को शासन की ओर से करीब ढाई करोड़ का बजट जारी किया है। इनमें 10 बिसौली और पांच विधानसभा क्षेत्र की सड़कें शामिल हैं।

बरसात के दौरान नगरीय सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें टूटकर बिखर गई थीं। उनमें गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं। इन पर लोगों को चलना मुश्किल हो गया था। बरसात के बाद शासन स्तर से टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कराने के लिए लोक निर्माण विभाग से प्रस्ताव मांगा था। लोक निर्माण विभाग द्वारा जनपद भर में सर्वे करने के बाद करीब 300 से अधिक सड़कों का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया। अब शासन स्तर से विधानसभा क्षेत्रानुसार मंजूरी प्रदान की जा रही है। हाल ही में ग्रामीण क्षेत्रों की 15 सड़कों की मरम्मत कराने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की मंजूरी प्रदान करते हुए धनराशि जारी की है। शासन से लोक निर्माण को ढाई करोड़ से अधिक की धनराशि हुई है। शासन से बजट मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों की मरम्मत कराने के लिए कवायद शुरू कर दी हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में डाली जाएगी सीसी रोड

सहसवान और बिसौली क्षेत्र में 15 सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इनमें 10 सड़कें ऐसी हैं जिनकी हालत अधिक खराब हैं। इन स्थानों पर 200 से 30 मीटर तक सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। इससे आने वाले समय में सड़क मजबूत बनी रहे। शासन से जारी हुए बजट के तहत पांच सड़कों का निर्माण सहसवान विधानसभा क्षेत्र और दस सड़कों का निर्माण बिसौली विधानसभा क्षेत्र में होगा। सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया को पूरा करा लिया गया है। जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य भी शुरू होने वाला है।

> 15 ग्रामीण सड़कों की मरम्मत कराने के लिए शासन स्तर से मंजूरी मिली हैं। इनमें 10 सड़कों पर सीसी रोड डाला जाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।
> – **देव पाल सिंह**, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

मारपीट की शिकायत पर घर में घुसकर पीटा

विजय नगला, अमृत विचार : महिला के साथ मारपीट करने की शिकायत करना उसके रिश्तेदार को महंगा पड़ गया।

चार लोगों ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव प्रहलादपुर निवासी मनोज कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपने साढ़ू की लड़की रकितमा की शादी गांव निवासी शनि पुत्र संतोष के साथ कराई थी। शादी के कुछ दिनों तक उसके परिवार में सब कुछ ठीक चलता रहा। इसके बाद शनि के घर वाले साढ़ू की बेटी को परेशान करने लगे थे। अक्सर मारपीट करने लगे। शनि से शिकायत की तो वह बुरा मान गए। जिसको लेकर 20 अक्टूबर की शाम लगभग 6 बजे मनोज कुमार अपने घर पर अकेले थे। आरोप है कि शनि, राजा, संतोष, अमन लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। वह घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

चार बीएलओ ने सबसे पहले पूरा किया कार्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- डीएम अवनीश कुमार राय ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अमृत विचार : मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार बीएलओ के लिए मंगलवार को डीएम अवनीश कुमार राय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इन बीएलओ द्वारा निर्धारित समय से पूर्व और उच्च गुणवत्ता के साथ मैपिंग एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने पर प्रोत्साहित किया गया।

इससे पूर्व डीएम ने सदर तहसील का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को समय और पारदर्शिता के साथ एसआईआर कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद समय पर कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया। एसडीएम मोहित कुमार ने बताया कि शेखूपुर विधानसभा की भाग संख्या 212 पर तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रीति रानी बीएलओ नामित हैं। वहीं भाग संख्या 401 पर तैनात नलकूप चालक उमेश बीएलओ नामित हैं। इनके साथ साथ भाग संख्या 44 पर तैनात बीएलओ शारदा यादव, भाग संख्या 102 पर तैनात बीएलओ सर्वेश कुमार नलकूप अमीन के द्वारा एसआईआर कार्य की प्रगति उत्कृष्ट पाई गई। इन सभी बीएलओ को डीएम ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उनके द्वारा अन्य बीएलओ को मोटिवेट करते हुए कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ से प्रेरणा लेकर कार्य को अतिशीघ्र सम्पन्न करने का आवाहन किया। इस मौके पर एडीएम वित्त एवं राजस्व व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित करते जिला अधिकारी।

कांशीराम कॉलोनी में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

ककराल, अमृत विचार : ककराला की कांशीराम कॉलोनी निवासी एक परिवार ने सोमवार रात खाना खाया और सो गया। इसी दौरान परिवार के एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कांशीराम कॉलोनी में गुड्डी अपने बच्चों के साथ रहती हैं। उनका बेटा अरहान मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था।

सोमवार रात उन्होंने मां के साथ खाना खाया था। परिवार के लोग घर में सो गए थे लेकिन रात में अरहान ने घर के रसोईघर में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने शव फंदे से उतारा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। पड़ोसियों के अनुसार अरहान को कुछ समय से मजदूरी नहीं मिली थी। जिसकी वजह से वह तनाव में आ गए थे। घर में अक्सर कलह होती रहती थी। मृतक की मां ने पुलिस को लिखित में उनके आत्महत्या करने की सूचना दी।

ट्रॉली के पहिये के नीचे आया किशोर, मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिसौली चीनी मिल के गेट पर गन्ना लदी ट्रॉली के पहिया के नीचे दबकर किशोर की मौत हो गई। चीनी मिल पर ज्यादा भीड़ होने के चलते किशोर ट्रॉली के ऊपर सो गया था। चालक ने ट्रैक्टर बढ़ाया तो वह नीचे जा गिर गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव जिनौरा के किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली से गन्ना लेकर बिसौली के चीनी पर गया था। साथ में गांव निवासी शिवा उर्फ सोई (15) पुत्र विनोद भी चीनी मिल पर साथ गया। जहां किसानों की भीड़ थी। जिसके चलते शिवा गन्ना लदी ट्रॉली के ऊपर सो गया था। चीनी मिल पर लाइन में लगी ट्रॉलियां आगे बढ़ीं तो चालक ने वह ट्रैक्टर भी आगे बढ़ा दिया। इसी दौरान शिवा ट्रॉली से नीचे गिर गया और ट्रॉली के पहिया के नीचे आ गया।

मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जहां परिजनों ने बताया कि शिवा खेती में परिजनों का सहयोग करता था। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

हादसे में घायल दूसरे युवक ने भी तोड़ा दम

बिल्सी, अमृत विचार : सहसवान के पास 10 नवंबर को हुए सड़क हादसे में घायल गांव गुधनी निवासी युवक ने सोमवार देर शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में एक युवक की पहले ही मौत हो चुकी है। मौत के बाद से परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव गुधनी निवासी अकिल (30) पुत्र अनवार और इलियास पुत्र पुत्तन 10 नवंबर को अपने भाई की शादी के कार्ड बांटने के लिए सहसवान नगर गए थे। लौटते समय गांव सालिग नगला के पास किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गंभीर हालत में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलियास ने दो दिन बाद ही दम तोड़ दिया। वहीं अकिल की हालत भी लगातार नाजुक बनी रही। सोमवार की शाम उनकी भी मौत हो गई। अकिल की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मंगलवार की दोपहर अकिल का गांव में अंतिम संस्कार किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो साथी घायल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दावत खाकर लौटते समय शहर के संतोख सिंह तिराहे के पास हुआ सड़क हादसा

अमृत विचार : बरात में शामिल होकर वापस घर जा रहे बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुलड़िया के वार्ड छह निवासी नितिन प्रताप सिंह (22) सोमवार शाम अपने दो साथी वार्ड नौ निवासी उवैस और वार्ड छह निवासी नीलेश के साथ शादी समारोह में शामिल होने बाइक से गांव खुनक गए थे। दावत खाने के बाद देर रात बाइक से वापस लौट रहे थे। सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में संतोख सिंह तिराहे के पास विपरीत दिशा से आए किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। वाहन नितिन प्रताप सिंह को कुचलता हुआ चला गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने नितिन प्रताप सिंह की मौत की पुष्टि कर दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बगरैन चौराहे पर जाम में फंसी एम्बुलेंस

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले भर में सड़कों पर बेहिसाब दौड़ रहे वाहन जाम का कारण बन रहे हैं। मंगलवार को कस्बा बगरैन में एक चौराहे पर जाम लगने से एम्बुलेंस काफी देर तक जाम में फंसी रही। पुलिस ने काफी देर बाद एम्बुलेंस को जाम से बाहर निकलवाया।

बगरैन कस्बे में जाम की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बड़े बहनों के साथ ही दो पहिया वाहन चालक भी परेशान हो रहे हैं। लोगों को पैदल चलने में भी दिक्कत हो रही है। लोगों का कहना है कि ई-रिक्शा और टेंपो चालक घंटों खड़े होकर सवारी भरते हैं, जिससे सड़क का बड़ा हिस्सा जाम हो जाता है। इसी तरह चाट पकौड़ी एवं खाद्य पदार्थों के ठेले फुटपाथ पर कब्जा जमाए हुए हैं।

बड़े वाहनों के कारण पूरी तरह रोड बंद हो जाता है और जाम विकराल रूप ले लेता है। चौराहे पर मौजूद पुलिस सहायता केंद्र भी स्थिति सुधारने में नाकाम साबित हो रहा है। पुलिसकर्मी अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। व्यापारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि अब चौराहे से गुजरना मुश्किल होता जा जा रहा है। जनता की मांग है कि प्रशासन से रिक्शा व टेंपो स्टैंड तथा सभी ठेलों को चौराहे से हटाकर किसी अलग स्थान पर खड़ा कराया जाए। पुलिस सहायता केंद्र पर पुलिस स्टाफ तैनात किया जाए।

बगरैन चौराहे पर जाम में फंसी एम्बुलेंस। ● अमृत विचार

क्षेत्र में हरे पेड़ों का हो रहा धड़ल्ले से अवैध कटान

हरे आम के पेड़ काटकर लकड़ी भरते ठेकेदार। ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : हरे पेड़ों का बेतहाशा कटान चिंता का विषय बना हुआ है। ताजा मामला सहसवान क्षेत्र के गांव सेमरा और में मंडी का है जहां आम के हरे पेड़ों को बिना किसी अनुमति के धड़ल्ले से काटा जा रहा हैं।

ग्रामीणों के अनुसार अवैध कटान करने वाले कई दिनों से हरे पेड़ों की अवैध कटाई कर रहे हैं जिससे क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। लकड़ी ठेकेदार विभागीय अधिकारियों से मिले होने का दावा करते है। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों की कटाई अक्सर रात या सुबह के समय की जाती है, ताकि किसी को जानकारी न हो सके। कई ग्रामीणों ने बताया कि हरे पेड़ों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर बाहर भेजा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले समय में हरे पेड़ कहीं दिखाई नहीं देंगे।

जानकारी के अभाव में प्रपत्र नहीं भर रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- प्रपत्र भरने में बीएलओ भी मतदाताओं की नहीं कर पा रहे मदद
- साल 2003 की वोटर लिस्ट न मिलने से परेशान हैं लोग, बनी असमंजस की स्थिति

अमृत विचार : जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम चल रहा है। इसे 4 दिसंबर तक पूरा किया जाना है। प्रशासनिक अमला इस कार्य को समय पर पूर्ण करने पर लगा है, लेकिन इस कार्य में लोगों की लापरवाही भारी पड़ रही है।

जानकारी के अभाव में लोग मतदाता गणना प्रपत्र को भर नहीं पा रहे हैं। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा कि प्रपत्र में क्या जानकारी भरनी है। मतदाताओं की इस दुविधा को बीएलओ भी दूर करने में असमर्थ दिख रहे हैं। वहीं कई मतदाता ऐसे भी हैं जिन्हें साल 2003 की वोटर लिस्ट न मिलने से परेशान है। ऐसे मतदाता असमंजस की स्थिति में हैं।

जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्र में 24 लाख से अधिक मतदाताओं की गणना की जा रही है। इस कार्य में 1400 से अधिक बीएलओ और 250 से अधिक सुपरवाइजर लगे हुए हैं। गणना प्रपत्र बांटे जा चुके हैं। अब उन्हें वापस लिए जाने का काम चल रहा है, लेकिन गणना प्रपत्र लेकर जाने वाले लोग वापस करने में अपनी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। पिछले दिनों से गणना प्रपत्र फॉर्म भरे जा रहे है।

मंगलवार को भी जिलेभर में मतदाता गणना प्रपत्र भरे गए। अधिकांश बूथ लेवल अधिकारी बूथों पर उपस्थित रहे, लेकिन कुछ स्थानों पर सन्नाटा पसरा रहा। आवास विकास कॉलोनी स्थित राजकीय महाविद्यालय में बूथ पर सन्नाटा दिखाई दिया। ऐसा ही स्थिति सिंग्लर गर्ल्स इंटर कॉलेज में देखने को मिली। एक भी शिक्षक उपस्थित नहीं था। मिशन इंग्लिश स्कूल में बीएलओ बैठे। वह लोगों के आने का इंतजार कर रहे थे। अन्य बूथों पर तैनात बीएलओ गणना पत्र एकत्रित करने में लगे हुए थे।

एक बीएलओ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उनके द्वारा सभी प्रपत्र बांटे जा चुके हैं, लेकिन लोग उन्हें वापस करने नहीं आ रहे हैं। इसलिए घर घर संपर्क किया जा रहा है। कुछ लोगों के द्वारा अभी तक गणना प्रपत्र को नहीं भरा गया है। पूछने पर सही जानकारी भी नहीं दे रहे हैं।

> मतदाता सूची का 9 दिसंबर को प्रकाशन किया जाएगा। जिन लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है। इसके बाद निर्वाचक पंजीयन अधिकारी द्वारा नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस के जवाब में मतदाता भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित 13 पहचान पत्रों में से किसी एक को साक्ष्य के रूप में जमा कर सकते हैं। साक्ष्य की जांच बीएलओ करेंगे। इसके बाद ही मतदाता सूची में नाम शामिल करने या न करने का निर्णय किया जाएगा।
> – **मोहित कुमार**, एसडीएम सदर

लोगों को सता रहा नाम कटने का डर

गणना पत्र भरने में लोगों को दिक्कत आ रही है। वहीं उन्हें मतदाता सूची से नाम कटने का भी डर सता रहा है। लोगों को डर है कि गणना प्रपत्र का सिर्फ एक भाग भरने से कहीं उनका नाम सूची से कट न जाए। नेकपुर निवासी राकेश का कहना है कि उनका नाम साल 2003 की सूची में नहीं हैं। वह हर चुनाव में वोट डालते आ रहे हैं। आवास विकास कॉलोनी निवासी हरवंश कहते हैं कि उनका नाम भी सूची में नहीं है। इस कारण गणना प्रपत्र भरने में उन्हें परेशानी हो रही है।

गणना प्रपत्र भरने में लोगों को हो रही परेशानी

लोगों को समझ ही नहीं आ रहा है कि उसमें भरा क्या है। बीएलओ द्वारा लोगों को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए हैं उसमें तीन भाग है। पहला भाग तो मतदाता आसानी से भर ले रहे है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी दूसरे व तीसरे भाग के भरने में आ रही है। लोगों का कहना है कि उन्होंने पिछले चुनाव में मतदान किया था और लगातार मतदान करते आ रहे हैं। इसके बाद भी उनके से जानकारी मांगी जा रही है।

एसआईआर पूरा करने पर दो बीएलओ सम्मानित

बीएलओ को सम्मानित करते एसडीएम प्रेमपाल सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत उपजिलाधिकारी प्रेमपाल सिंह ने मंगलवार को दो बीएलओ को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

सर्वप्रथम एसआईआर का कार्य पूर्ण करने वाली शिक्षा मित्र सारिका व आंगनवाड़ी कार्यकत्री शशिबाला को प्रशस्ति पत्र एवं नगद धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। एसडीएम ने कहा कि दोनों महिलाओं ने जिम्मेदारी व समयबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। उन्होंने क्षेत्र के अन्य बीएलओ को भी इसी प्रकार सक्रियता व ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा दी।

सम्मान पाकर दोनों बीएलओ ने कहा कि प्रशासन द्वारा मिला यह प्रोत्साहन उनके लिए उत्साहवर्धन का कार्य करेगा और वे भविष्य में भी योजनाओं को समय पर व सही तरीके से पूरा करने का प्रयास करती रहेंगी। इस मौके पर तहसीलदार प्रभा सिंह, नायब तहसीलदार बदन सिंह यादव, मोहित राठी, अक्षांश पटेल आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

बदायूं

आधे दिन अस्पताल खुलने पर किया हंगामा

भटकते रहे हेपेटाइटिस के मरीज, परेशान होकर घर लौटे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल मंगलवार को आधे दिन ही खुला। कुछ देर ओपीडी में मरीजों को देखा गया उसके बाद डॉक्टर चले गए। मरीजों को दवा के लिए इधर उधर भटकना पड़ा। हेपेटाइटिस के मरीजों ने दवा नहीं मिलने पर भारी हंगामा किया। इसके बाद 3 बजे दवा बांटने की बात कह कर स्टाफ चला हो गया। मरीज परेशान होकर अपने घरों को लौट गए।

मंगलवार को हेपेटाइटिस के मरीजों को देखा जाता है इसलिए सैकड़ों की संख्या में पीलिया के मरीज पहुंचे। जो मरीज साढ़े 10 बजे तक पहुंच गए उन्हें दवा मिल गई, लेकिन बाद में पहुंचने वाले मरीजों को दवा नहीं मिली। इस पर परेशान मरीजों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। मरीजों ने कहा कि वह लोग बीमार हैं। चल नहीं पा रहे हैं। फिर भी उन्हें दवा नहीं मिल रही है। हंगामा होने पर अस्पताल स्टाफ ने उन्हें तीन बजे तक बैठने को कहा। इस पर अनेकों मरीज अपने घरों को लौट गए, जबकि दो दर्जन से अधिक मरीज जिला अस्पताल के वार्ड 50 के सामने बैठे रहे। गमा बसई निवासी रामखिलौना ने बताया कि वह सुबह से बैठी है उसे दवा नहीं मिल रही है। अब इंतजार करने को कहा गया है। जियारत निवासी विनोद सागर ने बताया कि उसकी हालत खराब है। देर से पहुंचे थे इसलिए दवा नहीं मिली। अब शाम को दवा देने की बात कही जा रही है इसलिए इंतजार कर रहे हैं। खजुरिया निवासी राजवती ने बताया कि यहां पर कोई नहीं है। शाम को दवा बांटने की बात कही गई है। वार्ड में ताला लटका है। शाम तक इंतजार करने से उनकी तबीयत और खराब हो रही है। एक महिला मरीज बेहोशी की हालत में पड़ी रही जिसे अन्य मरीजों ने पानी लाकर दिया। मरीज ने कहा कि यहां पर उन लोगों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जिला अस्पताल के स्टाफ का कहना था कि आज शहीदी दिवस के चलते आधे दिन अस्पताल खुला। इसलिए पीलिया के मरीजों को यहां पर रोका गया है। इन मरीजों को तीन बजे दवा दी जाएगी। कुछ मरीज वापस लौट गए हैं। वार्ड पचास के सामने बैठे मरीजों को अस्पताल प्रशासन की ओर शाम को दवा देने की बात कही गई है।

बुखार के मरीजों को भी नहीं मिली दवा

मंगलवार को देर से पहुंचने वाले बुखार के मरीजों को भी दवा नहीं मिली। 11 बजे तक दवा काउंटर खोला गया उसके बाद बंद कर कर्मचारी निकल गए। जो मरीज बाद में आए उन्हे किसी ने नहीं देखा जिससे उन्हें दवा भी नहीं मिल सकी। अस्पताल परिसर मे देर से आने वाले दर्जनों मरीज बैठे रहे, जो बाद में निराश होकर लौट गए।

ट्रक पलटा खोखा टूटा

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी के बिसौली-कासगंज बाईपास मार्ग पर मंगलवार की दोपहर ट्रक जैक टूटने से अनियंत्रित होकर पलट किया। हादसे में एक परचून का खोखा टूट गया।

किशोरी के कपड़े उतारने के दोषी को तीन साल की सजा 20 हजार रुपये जुर्माना

बदायूं, अमृत विचार : थाना जरीफनगर क्षेत्र के एक गांव निवासी बालक ने अपने घर की छत पर सो रही किशोरी के बुरी नीयत से कपड़े उतार दिए थे। शर्म की वजह से किशोरी न पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह ने विवेचना की और न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट ने आरोपी बालक को तीन साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की धनराशि जमा न करने पर छह महीने का अतिरिक्त साधारण कारावास भोगना होगा। जुर्माना की पूरी धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के लिए दी जाएगी।

बोतल में पेशाब करके बैग में रखने के मामले में दो नाबालिग छात्र गिरफ्तार

उसहैत, अमृत विचार : छात्राओं के पीने पानी की बोतल में पेशाब करके उनके बैग में रखने के मामले में पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों को पकड़कर किशोर न्यायालय भेजा। बुधवार को कोर्ट में दोनों के बयान दर्ज होंगे।

मामला उसहैत के चमेली देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है। छात्रों ने शनिवार को छात्राओं के बोतल में पेशाब करके उनके बैग में रख दी थी। सूचना मिलने पर करणी सेना के जिलाध्यक्ष शिव सेवक गुप्ता अपने साथियों के साथ स्कूल पहुंचे थे और प्रदर्शन किया था। उन्हें ने एक छात्र को भी पीटा था। स्कूल प्रबंधक विनोद कुमार गुप्ता और जिलाध्यक्ष ने तहरीर दी थी। पुलिस ने पांच आरोपी बच्चों के अभिभावकों में से चार का शांतिभंग में चालान किया था। जांच के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। मंगलवार को पुलिस ने दो आरोपी छात्रों को पकड़कर किशोर न्यायालय भेजा है। बाकी तीन बच्चों से पूछताछ की जा रही है।

उसहैत के अटेना घाट पर चलाया सफाई अभियान किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : उसहैत के अटेना घाट पर स्थानीय लोगों ने गंगा से कूडा कचरा निकाला। गंगा किनारे दुकान लगाने वाले लोगों ने सफाई अभियान चला कर कूड़ा एकत्र किया और बाहर ले जाकर डाला।

दुकानदार रामसेवक ने बताया कि गंगा में कई दिनो से ऊपर से कूडा आ रहा है जो इधर किनारों पर अटक रहा है। मंगलवार को दुकानदारों ने आस पास के गांवों से आए लोगों के सहयोग से गंगा की धार से कूड़ा कचरा निकाल कर बाहर फेंका। ग्रामीणों ने कहा कि गंगा किनारे स्नान करने वाले लोग भी अपना खराब सामान यहां पर छोड़ जाते हैं जो गंदगी को बढ़ाता है।

इतवारी ने कहा कि यहां पर दुकानदार ही सफाई करते हैं जिससे गंगा किनारे लोग स्नान करते समय हवन पूजन करते हैं। गंदगी के चलते श्रद्धालुओं को परेशानी होती है। अटेना घाट पर आस पास के पचास गांवों के लोग स्नान करने को आते हैं जिससे यहां पर हर समय मेला जैसा माहौल रहता है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5946/ई–टेण्डर/25–26 दिनांक 19.11.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 26.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत (लाख रू0)			निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
			कुल अनुमानित लागत	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत (4+5)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वित्तीय वर्ष 2025–26 में धमार्थ योजनान्तर्गत									
1	जनपद बरेली में विकास खण्ड भदपुरा के अन्तर्गत ग्राम महेशपुर के प्राचीन मंदिर तक मार्ग का चौड़ीकरण	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	17.66	0.44	18.10	1.81	944.00	तीन माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0बरेली

UP – 241402 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक:8370/7निविदा(पी0डी0)(ई0टेण्डर)–8/25–26 दिनांक 17.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्रान्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती हैं।निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं ई–निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)			बिड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी(मार्ग कार्य)
		अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ननाई सराय पचतौर से बिहारीपुर दियोनी मार्ग से भुडिया मार्ग का नवनिर्माण।	96.50	7.25	103.75	7.20	2714.00	12 माह	A&B
2.	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत रूकुमपुर पुख्ता मार्ग से बारीखेडा मार्ग का नवनिर्माण।	64.95	4.90	69.85	5.50	2714.00	06 माह	A,B&C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तें बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0
बरेली

UP – 241263 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उप जिलाधिकारी, फरीदपुर, बरेली।

पत्रांक 778/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील फरीदपुर (बरेली) में बहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	फरीदपुर	01.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक सोमवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – फरीदपुर नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–4 (ग्रा0 खनी नवादा से मानपुर त्रिलोक तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का कम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील फरीदपुर, बरेली

UP – 241406 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक 2489/31ए दिनांक 13.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)			बिड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
		अनुमानित लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	दियूनी केशरपुर सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	27.07	0.68	27.75	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D
2	पीलीभीत मझोला मार्ग से कैमा सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	25.10	1.37	26.47	2.70	1062.00	3 माह	A,B,C,D
3	पूरनपुर पीलीभीत मार्ग से सिसैया गजरौला खुर्द सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	20.91	1.57	22.48	2.30	1062.00	3 माह	A,B,C,D
4	आसाम मार्ग से डयूनी महादुरगंज सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	25.78	1.93	27.71	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

UP – 241272 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उप जिलाधिकारी, मीरगंज, बरेली।

पत्रांक 776/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील मीरगंज (बरेली) में बहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	मीरगंज	03.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक बुद्धवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – मीरगंज नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–3 (ग्रा0 करौरा भगवन्तपुर से मोहम्मद गंज तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील मीरगंज, बरेली।

UP – 241407 दिनांक:24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांक:1087/जि.पं./नि.अनु./2025–26 दिनांक: 24.11.2025

सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33–2–2019–198 जी / 2018 दिनांक 16 अगस्त, 2019 व शासनादेश सं. 1129/33–2–2020–167 जी/ 2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 30 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 16.12.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 16.12.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क धनराशि फार्म– 5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण / पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
01.	दहगवां	ग्राम बाजिदपुर चमरपुरा रोड से जमालपुर पियरी में सी.सी. तक मि.खं. कार्य।	674572	67500	1200	60 दिन
02.	म्याऊँ	ग्राम ययाती खेड़ा में डामर रोड तक बूडेबाबा स्थान तक मि.खं. कार्य।	487042	48750	1200	60 दिन
03.	जगत	ग्राम सरवा में गंगा जी के घर से डामर रोड तक मि.खं./सी.सी. कार्य।	322852	32300	1200	60 दिन
04.	जगत	ग्राम कुलचौरा में एम.एफ. मार्ग पर रामवीर/श्यामवीर के घर के पास से देवस्थान तक मि.खं. कार्य।	798454	79850	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग अनटाइड				
05.	समरेर	ग्राम कनेई में योगराज के घर पानी टंकी तक मि.खं. कार्य।	778906	77900	1200	60 दिन
06.	बजीरगंज	ग्राम रोटा मेन रोड से पंचायत भवन तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
07.	बजीरगंज	ग्राम सैदपुर करेंगी मार्ग से शिव मंदिर कतगांव तक मि.खं. कार्य।	599054	59950	1200	60 दिन
08.	बजीरगंज	ग्राम बहेटरा प्रा.स्कू. से गुडडू के घर तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
09.	बिसौली	बिसौली दवतोरी सम्पर्क मार्ग पर पैट्रोल पम्प के सामने अग्रवाल जी की ट्यूबैल पर जि.पं. के पुराने खडंजा तक मि.खं कार्य	500925	50100	1200	60 दिन
10.	बिसौली	सहसवान बिसौली सम्पर्क मार्ग तक गुधनी मार्ग से ग्राम राजपुर पुलिया तक मि.खं. कार्य।	696543	69700	1200	60 दिन
11.	आसफपुर	गुरियारी चौराहे के पुराने खडंजे से अहरौली खडंजे तक मि.खं. कार्य	735859	73600	1200	60 दिन
12.	इस्लामनगर	ग्राम फिरोजपुर गवरा में सेवाराम के प्लाट के पास पुलिया से पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	837260	83750	1200	60 दिन
13.	दहगवां	ग्राम मोहम्मदगंज गोबरा में मुख्य मार्ग से ताली बाबा मंदिर तक मि.खं. खडंजा कार्य।	716201	71650	1200	60 दिन
14.	दहगवां	ग्राम नाधा में उधैती सम्पर्क मार्ग से पशु बाजार/पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	480947	48100	1200	60 दिन
15.	सहसवान	ग्राम नगला भिंड में बुद्धपाल के मकान/सी.सी. से पंचायत घर तक मि.खं. कार्य।	401196	40150	1200	60 दिन
16.	अम्बियापुर	ग्राम नाई पिण्डरी में प्रताप के घर से शौचालय तक निर्माण कार्य।	433128	43350	1200	60 दिन
17.	अम्बियापुर	ग्राम कुरऊ में पूर्वी साइड में मि.खं. कार्य।	500925	50100	1200	60 दिन
18.	उझानी	रहमुद्दीन नगर सम्पर्क मार्ग से प्रा.वि. से रेहमुद्दीन नगर तक मि.खं. कार्य।	758468	75850	1200	60 दिन
19.	उसावां	ग्राम उदईया नगला में कलक्टरगंज–दारानगर मार्ग तिराहे मंदिर के पास से गांव तक मि.खं. कार्य।	682737	68300	1200	60 दिन
20.	जगत	ग्राम दियोराजीत में इकरार अहमद के घर से घटपुरी मार्ग पर पूर्व निर्मित खडंजे तक मि.खं. व पुलिया कार्य।	818631	81900	1200	60 दिन
21.	दातागंज	अगोड़ी में वीरपाल के घर से डामर तक मि.खं. कार्य	584330	58450	1200	60 दिन
22.	समरेर	ग्राम गुलडिया मेन रोड गैस एजेन्सी बौरा से सिराज मार्ग से पंचायत घर तक मि.खं./पुलिया निर्माण कार्य।	799014	79950	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग टाइड				
23.	बजीरगंज	आंवला रोड भीकमपुर प्रा.वि. से पानी की टंकी तक नाला निर्माण कार्य।	577840	57800	1200	60 दिन
24.	इस्लामनगर	ग्राम जखौरा जौहरपुरा में हरद्वारी लाल सिंह के घर से तालाब की पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	738972	73900	1200	60 दिन
25.	उसावां	ग्राम मढ़ीनगला में ओमपाल के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	703144	70350	1200	60 दिन
26.	जगत	ग्राम महोरा में गंगाराम के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635428	63550	1200	60 दिन
27.	दातागंज	पापड़ में पुराने नाले से शमशान घाट तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	756232	75650	1200	60 दिन
28.	अम्बियापुर	ग्राम गढ़ी में महेश पुजारी के मकान से प्रा.स्कैल से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	680146	68050	1200	60 दिन
29.	सहसवान	ग्राम चन्देसी में शोराज के मकान से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635859	63600	1200	60 दिन
30.	सहसवान	ग्राम इस्माइलपुर मेमड़ी में सोनपाल के घर से राधेश्याम के घर/पुलिया तक नाला निर्माण।	791151	79150	1200	60 दिन

नोट:– 1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र– 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.2 के पत्रांक 819/33–2–2007–100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है। 2. कार्य के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा। 3. निर्माण कार्यों में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यों के प्रांक्कलन में प्रथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

गैर इरादतन हत्या के दोषी को सात साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- चंदौरा गांव में 24 नवंबर 2017 को मारपीट के बाद हो गई थी युवक की मौत

अमृत विचार : गैर इरादतन हत्या करने के आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या 10 सौरभ सक्सेना ने दोषी पाया है। दोषी को सात साल के कारावास और 10 हजार रुपये जुमाने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार बिनावर थाना क्षेत्र के गांव चंदौरा निवासी सत्यवीर पुत्र बाबू राम ने तहरीर देकर बताया था कि वह मजदूरी करने के लिए अलीगढ़ गए थे। उनका भाई कालीचरन घर पर रहकर खेती संभाल रहा था, जबकि भाई के बच्चे और पत्नी दिल्ली में रहकर मजदूरी करने गए थे। 24 नवंबर 2017 को लगभग 11 बजे गांव निवासी महावीर भाई के घर आया था। किसी बात पर झगड़ा करने लगा। गांव निवासी किसवर, महेश, नाथू लाल, हरदयाल आदि ने उनके भाई को बचाया। महावीर की पिटाई से कालीचरन गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर में उनकी हालत बिगड़ी और मौत हो गई। न्यायालय में चंदौरा निवासी महावीर पर कालीचरन की गैर इरादतन हत्या करने के आरोप का मुकदमा चलाया गया।

न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। अपर शासकीय अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्रा और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद महावीर को दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई है।

कैंसर पीड़ित संभल के एडीएम न्यायिक का निधन

संभल, अमृत विचार: संभल जनपद के अपर जिलाधिकारी न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा का नई दिल्ली स्थित एम्स में उपचार के दौरान देर रात निधन हो गया। कुशवाहा चेस्ट कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। लगातार उपचार के चलते वह पिछले चार महीने से मेडिकल लीव पर थे । करीब छह महीने पहले सतीश कुमार कुशवाहा की तैनाती संभल में हुई थी। हालत बिगड़ी तो संभल में तैनाती के दो माह बाद ही वह मेडिकल लीव पर चले गये थे। पिछले कुछ दिन से वह गंभीर हालत में दिल्ली एम्स में भर्ती थे। सोमवार रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मूल रूप से देवरिया जिले के निवासी सतीश कुशवाहा ने 1986 में नायब तहसीलदार के रूप में शासकीय सेवा में प्रवेश किया था। अधिकारियों,कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

मानक के अनुसार तैयार होंगे तटबंध के किनारे

जयपुर से मंगाया जाएगा पत्थर , किनारे किए जाएंगे मजबूत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बारिश और बाढ़ की विभीषिका झेलने वाले जिले के सभी तटबंधों को इस बार मानक के अनुसार ठीक किया जाएगा। बाढ़ खंड ने जिले के सभी नौ तटबंधों की मरम्मत का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा है। इसमें से सात बांधों की मरम्मत की स्वीकृति मिलने की बात कही जा रही है। इन तटबंधों पर जयपुर का डबल पत्थर लगाया जाएगा जिससे मिट्टी का कटान रोका जा सके।

जनपद में करीब नौ तटबंध हैं जिससे गंगा में बाढ़ के समय पानी रोकने की बड़ी चुनौती होती है। सभी बांधों की मरम्मत हर साल की जाती है जिसमें बीस से पच्चीस करोड़ रुपये की लागत आती है। इस बार भी बाढ़ खंड ने सभी नौ बांधों की मरम्मत का प्रस्ताव अक्टूबर माह में शासन को भेजा है जिसमें से करीब सात तटबंधों की मरम्मत के लिए धन स्वीकृति होने की संभावना है। अभी तक शासन स्तर से इस पर कोई विचार नहीं किया गया है।

बाढ़ खंड का कहना है कि बाढ़ खंड की फाइल मुख्यमंत्री के अनुमोदन के लिए भेजी गई है। वहां पर विभाग द्वारा बांधों की स्थिति को रखा जाएगा।

महावा नदी के बांध पर भी डाले जाएंगे पत्थर

सहसवान की महावा नदी का 14 किमी लंबा बांध इस बार बाढ़ में कई जगह से कटने लगा था जिससे पानी का रिसाव शुरू हो गया था। बाढ़ के दिनों में बाढ़ खंड ने स्थानीय लोगों की मदद से बांध पर मिट्टी डाल कर उसको रोका। इस बार इस बांध पर दोनो किनारों पर मिट्टी डालने के बाद पत्थर लगाए जाएंगे जिससे बांध बाढ़ के समय पानी की तीव्रता को रोक सके। बाढ़ खंड ने महावा नदी के बांध पर अधिक खर्च होने की बात कही है। इस क्षेत्र में बांध के अंदर छह गांव हैं जो बारिश के समय पानी से भरे रहते हैं जबकि बाढ़ के दिनों में ग्रामीणों को गांव खाली करना पड़ता है। तहसील प्रशासन ग्रामीणों को हर साल ऊंचे स्थानो पर शरण देता है। इस सात करीब 35 दिन तक ग्रामीणों को अपने घर मकान छोड़ कर बाहर रहना पड़ा। इसलिए इस बांध को भी विभाग ने संवेदनशील माना है।

> जिले के सभी सातो बांधों की मरम्मत मार्च माह से शुरू की जाएगी। दिसम्बर के अंत तक शासन से धन स्वीकृत होने की उम्मीद है। अभी बांधों की देखभाल की जा रही है। स्थानीय लोगों द्वारा बांधों को अवरोधित कर दिया जाता है इसलिए विभाग उनकी देखभाल करता है।
>
> – नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

इसके बाद धन आवंटित किया जाएगा। विभाग का कहना है कि इस बार बांधों पर मानक के अनुसार डबल लाइन में पत्थर लगाए जाएंगे जिससे बांध की मिट्टी बाढ़ के समय न कटसके। पत्थर लगाने से पहले मिटी भरे पैकेट भी लगाए जाएंगे।

इससे बांध किसी भी स्थिति में सुरक्षित रहें। बाढ़ खंड का कहना है कि विभाग ने सात बांधों को संवेदनशील माना है जिनकी मरम्मत की जाएगी जबकि दो अन्य प्वाइंटों पर भी मिट्टी डाल कर दुरुस्त किया जाएगा।

मझरा स्वास्थ्य केंद्र पर अव्यवस्थाएं हावी

स्वास्थ्य केंद्र का टूटा पड़ा मुख्य गेट। ● अमृत विचार

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तमरम अव्यवस्थाएं हावी हैं। स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर बिल्डिंग को दुरुस्त करने की मांग की।

ब्लॉक समरेर के मझरा गांव में बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात कर्मचारी सावन सक्सेना ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र भेजते हुए बताया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का मैन गेट टूट चुका है। जिससे असामाजिक तत्व परिसर में घुस कर शोर शराबा करते हैं। मना करने पर झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। महिला कर्मचारियों को शौच की दिक्कत होती है।

स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय की स्थिति खराब है। पानी नहीं है। दीवारें टूट चुकी हैं, खिड़कियां भी टूटी हुई हैं। बिजली की व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण देर शाम आने वाले मरीजों को चेकअप या दवाई देने में दिक्कत होती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात कर्मचारी काम नहीं कर पा रहे हैं। कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से केंद्र पर व्याप्त अव्यवस्थाओं को सुधारने की मांग की है।

बंद की गईं ट्रेनें दोबारा संचालित करने की मांग

चंदौसी, अमृत विचार: अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कार्यवाहक स्टेशन अधीक्षक रजनीश कुमार के माध्यम से रेलवे महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चंदौसी जंक्शन की लगातार हो रही उपेक्षा पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मांग की कि कोविड काल में बंद की गई सभी ट्रेनों को पुनः संचालित किया जाए। कोहरे का बहाना बनाकर किसी भी ट्रेन को बंद न किया जाए। इस दौरान डॉ. टीएस पाल, शुभम अग्रवाल, विक्रम आदित्य राणा, रितिक वार्ष्णेय, जावेद आदि शामिल रहे।

फाइनल में पहुंचे बजरंग और साइन ब्लास्टर

- एसके इंटर कॉलेज की फील्ड पर चल रही जीएस हीरो जूनियर क्रिकेट प्रीमियर लीग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के एसके इंटर कॉलेज की फील्ड पर जीएस हीरो जूनियर क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन हो रहा है। मंगलवार को सेमीफाइनल मैच खेला गया। जिसमें बजरंग और साइन ब्लास्टर टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की की। अब इन टीमों के बीच बुधवार को फाइनल मैच खेला जाएगा।

पहला सेमीफाइनल मैच बजरंग ब्लास्टर और रॉयल चैलेंजर्स के मध्य खेला गया। जिसमें बजरंग ब्लास्टर ने पहले खेलते हुए टूर्नामेंट में 202 का सर्वाधिक स्कोर बनाया। जिसमें टीम के खिलाड़ी आयुष कुमार ने सर्वाधिक 40 गेंदों में 72 रन बनाए। उन्होंने तीन छक्के 10 चौके लगाएं। वहीं उनकी टीम के दूसरे खिलाड़ी कृष्णा सक्सेना ने 50 रन 41 गेंद में 7 चौकों के साथ बनाए। यह मैच बजरंग ब्लास्टर ने 58 रनों से जीता। मैन ऑफ द प्लेयर आयुष कुमार घोषित किए गए। दूसरा मैच साइन ब्लास्टर और सुपर किंग के मध्य खेला गया। साइन ब्लास्टर के कप्तान विशाल राजपूत ने टॉस जीतकर कर पहले खेलते हुए 18.5 ओवरों सभी विकेट गंवाते हुए 156 रन का स्कोर खड़ा किया। साइन ब्लास्टर ने 38 रनों से मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मौके पर रविंद्र सक्सेना, दीपक सक्सेना, युद्धवीर सिंह यादव, रोहित शर्मा, रामपाल यादव आदि उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों से परिचय करते आयोजक। ● अमृत विचार

गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव खासपुर गौटिया में पुरानी रंजिश के चलते खेत पर घेर कर युवक को तमंचे से गोली मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शुक्रवार को जुगेंद्र पुत्र सेवाराम को गांव के ही दिनेश उर्फ दन्ने, सुरेंद्र, ज्ञानचंद सहित आधा दर्जन लोगों ने खेतों पर घेरा था। जुगेंद्र का गांव के ही सुरेन्द्र कुमार, दिनेश उर्फ दन्ने, ज्ञानी, सत्यवीर से जमीन को लेकर दस साल से पुरानी रंजिश चली आ रहे है। मारपीट के दौरान दिनेश उर्फ दन्ने ने तमंचे से फायर किया जिससे जुगेंद्र के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने जुगेंद्र के भाई नेत्रपाल की तहरीर पर दिनेश उर्फ दन्ने, सुरेंद्र, ज्ञानी, सत्यवीर, रिंकू, आकाश सहित छह लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले और मारपीट के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस आकाश को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वांछित आरोपी दिनेश को पुलिस ने मंगलवार को करौतिया तिराहे के पास से पकड़ लिया। उसके पास से तमंचा बरामद हुआ।

भाकियू टिकैत संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन आज

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन टिकैत संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह जानकारी देते हुए भाकियू टिकैत के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना ने बताया कि किसानों ने दिल्ली में आंदोलन किया था। उस समय प्रधानमंत्री ने किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन पीएमओ कार्यालय द्वारा आज तक किसानों के हित में कोई कदम नहीं उठाया गया है । जिससे किसानों में भारी रोष है। इसलिए किसान मोर्चा संयुक्त रूप से बुधवार को प्रत्येक जिले में धरना प्रदर्शन कर प्रधान मंत्री को ज्ञापन भेजेगा।

एसपी जीआरपी ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मुरादाबाद जीआरपी के एसपी आशुतोष शुक्ला ने मंगलवार को रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने जीआरपी थाने में रिकॉर्ड और असलाह चेक किए। उन्होंने मालखाना, महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करने के बाद रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बात की। दिशा निर्देश दिए।

रेलवे परिसर के बाहर दुकानों पर बैठे लोगों से पूछताछ की और इधर उधर घूम रहे लोगों को बाहर कर दिया।

कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर में बाहरी वाहनों को न आने दें। एसपी मुरादाबाद ने कहा कि रेलवे की सुरक्षा के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जीआरपी थाना प्रभारी बीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एसएपी ने अचानक निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश दिए।

हर समय प्लेटफार्म पर पुलिस की मौजूदगी के निर्देश दिए। साथ ही आसपास भी चेकिंग करते रहने की बात कही। इस मौके पर रेलवे स्टेशन पर तमाम स्थानों पर चेकिंग की गई।

तमंचे के बल राहगीरों को घेरा, गोली न चलने पर पीटा

बदायूं, अमृत विचार : कौल्हाई से गांव जाते वक्त पड़ोसी गांव के कुछ लोगों पर रस्ते में नाजायज तमंचा तान कर घेरने का आरोप लगाया है। पुलिस शिकायत पर जांच में जुट गई है।

मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव समसपुर बल्लू निवासी हरिओम पुत्र शिशु पाल ने तहरीर देकर बताया कि अपने गांव से कौल्हाई जाते समय रास्ते में पड़ोस के गांव सिरकी खेड़ा मोड़ पर चार लोगों ने तमंचा तानकर उन्हें घेर लिया। जान से मारने की धमकी देने लगे। एक युवक ने गोली चलाने का प्रयास किया लेकिन गोली नहीं चली। वह मौके से भाग आए। वहीं पंकज, सोमवीर, मनोज को भी उन्होंने तमंचे के बल पर घेरा। उन पर भी गोली चलाने का प्रयास किया। तमंचा खराब होने पर डंडों से प्रहार किया। डंडा लगने से मनोज घायल हो गए। राहगीरों की आवाजाही बढ़ी तो आरोपी भाग निकले। हरिओम के अलावा कई दर्जन लोगों ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह ने पुलिस की टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धपुर गांव में सहकारी समिति का किया आरंभ

खाद बांटने की जानकारी देते समिति कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : अंबियापुर विकास क्षेत्र की न्याय पंचायत वैन के ग्राम सिद्धपुर चित्रसेन में मंगलवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड का आरंभ किया गया। समिति की ओर से शुरू किए गए इस केंद्र पर किसानों को सदस्य बनाकर डीएपी खाद का वितरण किया गया।

समिति संचालित होने से क्षेत्र के किसानों को अब खाद व अन्य कृषि संसाधन स्थानीय स्तर पर ही सहज उपलब्ध हो सकेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा विधायक हरीश शाक्य के प्रयासों से शुरू की गई है, जिससे किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े और समय पर आवश्यक सामग्री मिल सके। किसानों ने इस पहल के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया है। इस दौरान किसानों में खाद वितरण को लेकर उत्साह देखा गया और ग्रामीणों ने समिति की शुरुआत को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस मौके पर सभापति नेत्रपाल शाक्य, सचिव सुरेंद्र शर्मा, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राहुल देव शाक्य, महेंद्र पाल शाक्य, दिनेश शाक्य, इंद्रपाल सिंह, सोहनपाल सिंह, उदयराज सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुक्रमांक 210867200 प्रमाणपत्र क्रमांक 28500805 वर्ष 2021 व इण्टरमीडिएट अंकपत्र अनुक्रमांक 2235736619 प्रमाण पत्र क्रमांक 28002500 है उक्त दोनों अंकपत्र/प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। **अरूण कुमार पुत्र नेमचन्द्र निवासी ग्राम- पराझरसा ब्लॉक निगोही तह. तिलहर जिला शाहजहांपुर मो. 6387708364**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री साजिया जिसकी उम्र 23 वर्ष है। मेरी पुत्री ने दिनांक 23.11.2025 को मुकीम पुत्र असमत नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी बीसलपुर के साथ कहीं चली गयी है। भविष्य में मुझे अपनी पुत्री से किसी भी तरह का कोई लेना देना नहीं है। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **अलीजान पुत्र अहमद नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में नाम SHAKEEL SHAH दर्ज है जबकि मेरी रजिस्ट्री में नाम SHAKEEL AHMAD दर्ज है। ये दोनों नाम मेरे ही है और मैं इन दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता हूँ। **शकील शाह पुत्र शफीक शाह निवासी 48, कटघर किला जिला बरेली।**

सूचना

हमने अपने पुत्र अनमोल गुप्ता व उसकी पत्नी कशिश गुप्ता को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का हमसे व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **माधवी गुप्ता पत्नी अंकुर गुप्ता व अंकुर गुप्ता पुत्र ऋषि कुमार गुप्ता व नि. पावर हाउस 23 जनकपुरी राजेन्द्र नगर, थाना प्रेमनगर, जिला बरेली**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,26 नवंबर 2025

धर्मध्वज

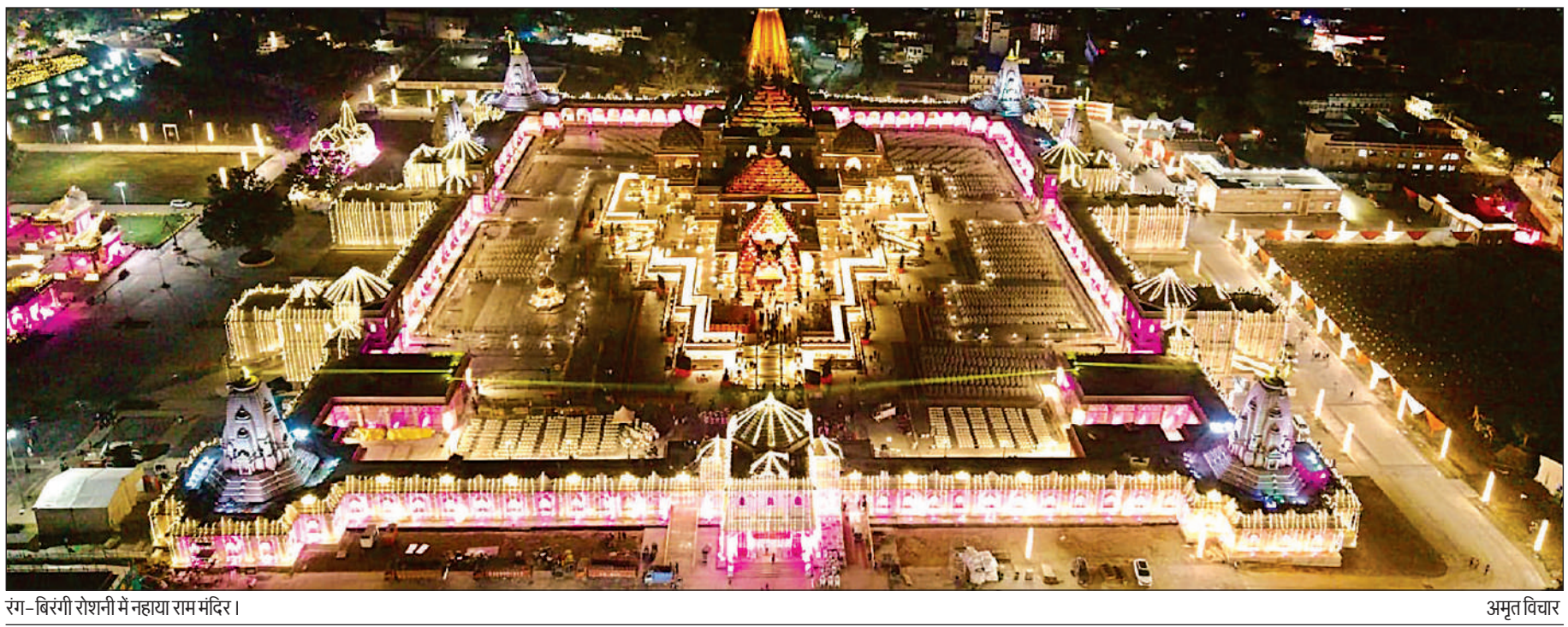

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया राम मंदिर। अमृत विचार

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

राम भेद से नहीं, भाव से ही जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

- **अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम**
- **भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण**

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत। अमृत विचार

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है।

आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है।

उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का निःशुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े- बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गईं। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन- रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

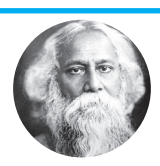

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

आमने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।

–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

सामने

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।

–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

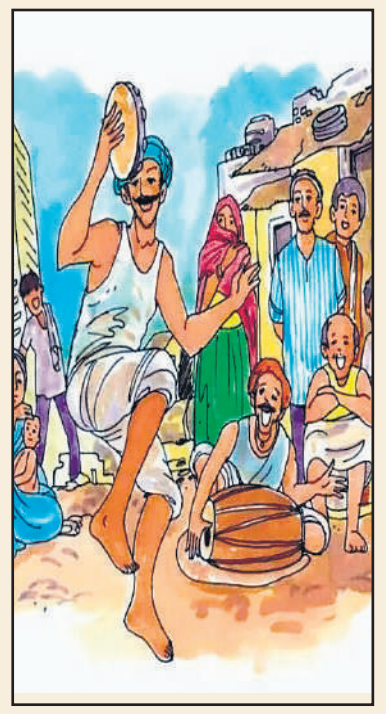

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

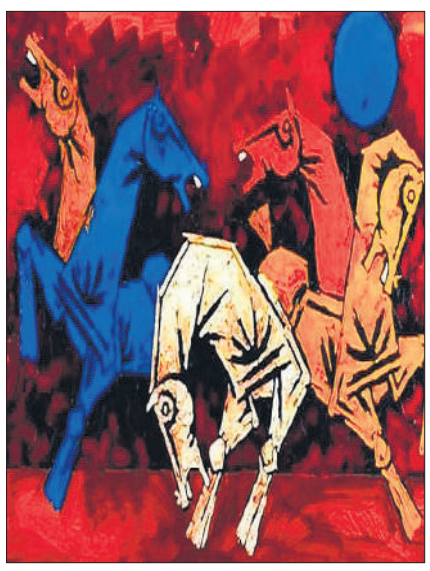

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,28,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,800 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं। पत्र में कहा गया है कि एसटीजी द्वारा उगाई हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थिर मूल्य तय होना चाहिए।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

राष्ट्रीय

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

बंगाल : बीएलओ ने रातभर धरना दिया

कोलकाता, एजेंसी

- प्रदर्शनकारी बोले- जब तक सीईओ व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं करते, तब तक जारी रहेगा धरना

बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के एक वर्ग ने पूरी रात पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अंदर बिताई और तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सीईओ मनोज अग्रवाल उनसे मुलाकात नहीं करते और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते।

वे राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'अत्यधिक कार्य भार' को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनमें से कई लोग सोमवार शाम से ही वहां प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शहर के मध्य भाग में बीबीडी बाग तक मार्च के बाद शुरू हुआ गतिरोध जारी है, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है।

नवगठित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रात भर धरना सोमवार दोपहर को शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक चला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अग्रवाल व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक वे नहीं हटेंगे। लंबे गतिरोध के बाद पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय में प्रवेश की अनुमति दे दी, जिससे कुछ देर के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई।

शाम करीब साढ़े चार बजे ज्ञापन सौंपे जाने से ठीक पहले कई समिति सदस्य सीईओ के कक्ष के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और इमारत की तीसरी मंजिल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को केबिन क्षेत्र से बाहर निकाला, उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखोपाध्याय मौके पर पहुंचीं।

जल्द ही प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर फिर से इकट्ठा हो गए और अपना धरना शुरू कर दिया। रात तक सात सदस्य परिसर के अंदर ही रहे, जिनमें संयोजक मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल शिक्षक हैं, लेकिन बीएलओ नहीं हैं।

सोमवार को अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि हर प्रतिनिधिमंडल से मिलना उनके लिए ''संभव नहीं'' है और इस उद्देश्य के लिए दो उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी उपलब्ध हैं। समिति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अग्रवाल रात करीब 11.40 बजे पुलिस सुरक्षा में दफ्तर से बाहर निकले और टकराव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन प्रदर्शनकारी अड़े रहे।

भाजपा कार्यकर्ता और बीएलओ आमने-सामने

कोलकाता। कोलकाता में सोमवार रात उस समय नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह का पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सामने बीएलओ के फोरम के प्रदर्शनकारी सदस्यों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान पुलिस ने बीच-बचाव किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के कई सदस्य सोमवार को दोपहर से ही सीईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। मामला तब बिगड़ गया जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद सजल घोष के नेतृत्व में 50 भाजपा कार्यकर्ता रात 11 बजे मौके पर पहुंचे और सीईओ कार्यालय में बंद चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराकर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के टीएमसी के कथित प्रयास के खिलाफ नारे लगाने लगे।

दिल्ली पुलिस ने नारे लगाने के लिए प्राथमिकी में जोड़ी धारा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान माओवादी समर्थक नारे लगाने और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे करने वालों पर दर्ज एक प्राथमिकी में 'राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध अपमानजनक आरोप और दावे' से संबंधित धाराएं लगाई हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मिर्ची स्प्रे छिड़कने के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं- एक कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और दूसरी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

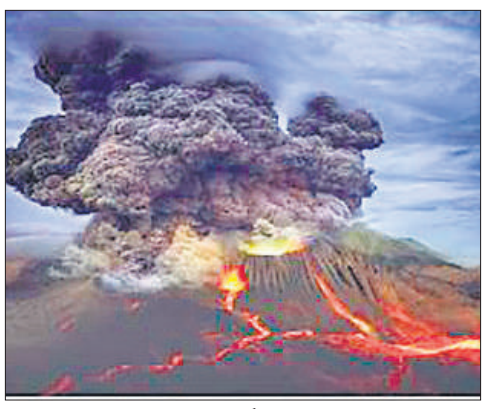

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क पर नबील शमसान को निशाना बना हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली कित्श्को ने बताया कि दिनप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

काबुल, एजेंसी

- पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

कच्छ, एजेंसी

- सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

यहूदियों को भारत से लाने की इजराइल की मंजूरी

यरुशलम। इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शेष सभी 5,800 यहूदियों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन यहूदियों को आमतौर पर बेनी मेनाशे कहा जाता है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को रविवार को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 को 2026 में लाने की मंजूरी मिल गई है।

अरुणाचल हमेशा भारत में ही रहेगा

ईटानगर, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।

खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00.01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

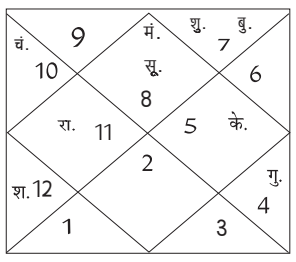

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 27 नवंबर 01.32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रुख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू-172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई।

स्पेन, जापान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था।

जूनियर हॉकी विश्व कप

शादी से पहले के पोस्ट मंधाना के अकाउंट से हटे

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा।

मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोतोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

भारत को बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक

तोक्यो : भारत ने बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक जीते जबकि चेतन हनमंत सपकाल मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में छठे स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग दौर में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे सपकाल आठ स्कोर करके छह पुरुषों के फाइनल में बाहर होने वाले पहले खिलाड़ी रहे। द. कोरिया के सियुंग वा ली ने स्वर्ण, ताए यंग किम ने कांस्य और यूक्रेन के सेरही ओहोरोदनिक ने रजत जीता। भारतीयों ने निशानेबाजी रेंज पर 16 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य हैं।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद शृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3 .5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28 .3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम

15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

रोहित को बनाया गया दूत

दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32 .01 की औसत और 140 .89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने गत वर्ष अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी-20 से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।